



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

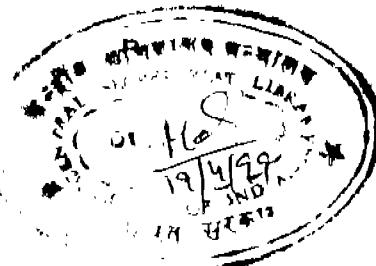
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 14]
No. 14]नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 21, 1999/माघ 1, 1920
NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 21, 1999/MAGHA 1, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

(पाटनरोधी एवम् संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1999

प्रारंभिक निष्कर्ष

विषय : जापान, कोरिया, तुर्की, ताइवान, यू.एस.ए., जर्मनी और फ्रांस से स्टाइरीन ब्लूटार्डीन रबड़ (एम.बी.आर.) के आयात से संबंधित एन्टी-डम्पिंग जांच।

सं. 30/1/97-एडीडी.—सीमा-शुल्क अधिनियम, 1975 यथा संशोधित, 1995 और सीमा शुल्क (डम्पिंग की गई मदों पर एन्टी-डम्पिंग शुल्क की पहचान, निर्धारण और बसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के महे नजर :

क. प्रक्रिया :

1. जांच के मध्य में नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :

- (i) उपरोक्त नियमों के अधीन निर्दिष्ट प्राधिकारी (एतत्पश्चात् प्राधिकारी भी कहा गया है), को सिंधिटिक्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड, ओस्टिंग्टन हाउस, 7, जे. टाटा रोड, चर्चगेट, मुम्बई-400020 (एतत्पश्चात् एस.सी.आर. कहा गया है) से घरेलू उद्योग की ओर से एक लिखित आवेदन पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें जापान, कोरिया, तुर्की, ताइवान, यू.एस.ए., जर्मनी और फ्रांस मूल के या वहां से निर्यात किये गये स्टाइरीन : ब्लूटार्डीन रबड़ (एस.बी.आर.) की डम्पिंग (एतत्पश्चात् विपयाधीन माल भी कहा गया है) का आरोप स्थगाया गया।
- (ii) याचिकार्कार्ता द्वारा दायर आवेदन की प्रारंभिक समीक्षा से कुछ कमियां प्रकट हुई; जो दाद में याचिकार्कार्ता द्वारा सुधारी गई। इसलिए याचिका को उचित दस्तावेज माना गया।
- (iii) प्राधिकारी ने, याचिकार्कार्ता द्वारा पेश किये गये पर्याप्त मध्यूत के आधार पर, जापान, कोरिया, तुर्की, ताइवान, यू.एस.ए., जर्मनी और फ्रांस से (एस.बी.आर.) के आयात के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने नियमों के उप-नियम 5 (5) के अनुसार जांच की कार्यवाही शुरू करने से पूर्व डम्पिंग आरोप प्राप्त होने के विषय में जापान, कोरिया, तुर्की, ताइवान, यू.एस.ए., जर्मनी और फ्रांस के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- (iv) प्राधिकारी ने 7 अप्रैल, 1998 को एक सार्वजनिक मुचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया, जिसमें जापान, कोरिया, तुर्की, ताइवान, यू.एस.ए., जर्मनी और फ्रांस (एतत्पश्चात् विपयाधीन देश भी कहा गया है) में शुरू हुए या निर्यात किये गये एस.बी.आर. जिसे सीमा-शुल्क अधिनियम, 1975 की अनुमूल्ची 1 के कस्टम कोड 4002.19 के अधीन वर्गीकृत किया गया है, के आयात से संबंधित एन्टी-डम्पिंग जांच शुरू की गई।

(v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना को प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराये गये) और उद्योग संगठनों को अग्रेपित की और नियम 6 (2) के अनुसार लिखित में उन्हें अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर दिया;

(vi) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति भारत में एम.बी.आर. के ज्ञात सभी आयातकों (जिनका विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया) को अग्रेपित की और पत्र जारी होने की तिथि से आलीस दिन के अन्दर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने के लिए उन्हें सलाह दी;

(vii) गत तीन वर्षों में, जांच अवधि को शामिल करते हुए, भारत में एम.बी.आर. के आयात का विवरण देने के लिए केन्द्रीय उत्पाद व सेमा-शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से अनुरोध किया गया।

(viii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और विषयाधीन दंशों के द्वाराधासों को याचिका की प्रति प्रदान की। अन्य इच्छुक पार्टियों को भी, निवेदन करने पर, याचिका की प्रति प्रदान की गई।

(ix) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार, निम्नांकित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना को मुम्पाप्ट करने के लिए एक प्रश्नावली भेजी :

(क) जापान

- आशाही कैमिकल्स इंडस्ट्रीज कंपनी लि.
- जापान इस्पोर्टोमर कंपनी लि.
- जापान
- सिंथेटिक रबर कंपनी
- मित्सुबिशी कसेई कारपोरेशन
- निषोन जियोन कंपनी लिमिटेड
- सुमितोमो केमिकल कंपनी

(ख) कोरिया

- कोरिया कुम्हो पैट्रोकैमिकल

(ग) ताइवान

- ताइवान सिंथेटिक रबर कारपोरेशन

(घ) फ्रांस

- बेयर ए.जी.
- गुडईयर केमिकल यूरोप
- मिशेल्सनेट सी.आई.ई.
- शेल चिमी एस.ए.

(ङ) जर्मनी

- कोम्बिनल बी.ई.बी. केमिशे वर्क

(च) युक्ती

- पेट्रोकिम पेट्रोकिम्या ए.एस.

(छ) यू.एस.ए.

- एमेटीपोल सिनपोल कारपोरेशन
- टी.एस.एम. कोपोलाइमर्स इंक
- फायरस्टोन सिंथेटिक रबर एंड एल.टी.एक्स कंपनी
- जनरल टायर इंक
- गुडईयर टायर एंड रबर कंपनी
- कई पार्टियों ने समय बढ़ाने का निवेदन किया, जिसे प्राधिकारी द्वारा बढ़ाया गया।

निम्नांकित निर्यातकों ने उत्तर दिया :

(क) जापान

- मित्सुबिशी कैमिकल
- जे.एस.आर. कारपोरेशन
- जे.टी.सी. कारपोरेशन
- मित्सुई एंड कंपनी
- फुजी कैमिकल डेवलेपमेंट कंपनी

(ख) कोरिया
—कोरिया कुम्हां पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड

(ग) ताइवान
—ताइवान सिंथेटिक रबर कारपोरेशन

(घ) फ्रांस
—मिशलिन
—बेयर

(ड) जर्मनी
—बुना सो ल्युना ओलिफिनवर बंड जी.एम.बी.एच. (बी.एस.एल.), जर्मनी

(च) तुर्की
—पेट्रोकिमिया होलिडंग्स

(ए) चू.एस.ए.
—दि गुड़ईयर टायर एंड रबर कंपनी
—आसेटीमोल सिनथेल कारपोरेशन

(x) लिंग्याथीन देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच आरंभ करने की सूचना इस अनुरोध के साथ दी गई कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के अन्दर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ पत्र, याचिका तथा निर्यातकों को भेजी गई प्रश्नावली की प्रति भी दूतावास को भेजी गई।

(xi) नियम 6 (4) के अनुसार आष्ट्रेयक सूचना देने के लिए एस.बी.आर. के निम्नांकित ज्ञात आवातकों को प्रश्नावली भेजी गई :

- अपोलो टायर लिमिटेड, कोचि
- मोदीस्टोन लिमिटेड, नई दिल्ली
- बिरला टायर्स लिमिटेड, कलकत्ता
- सिएट लिमिटेड, मुंबई
- गोविन्द रबर लिमिटेड, अलवाड़
- जे.के.इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली
- मोदी रबर लिमिटेड, नई दिल्ली
- एम.आर.एफ, लिमिटेड, मद्रास

कुछ पार्टीयों ने समय-सीमा बढ़ाने के लिए निवेदन किया, जो प्राधिकारी द्वारा दो सप्ताह बढ़ाने की अनुमति दी गई। निम्नांकित द्वारा प्रश्नावली का उत्तर फाइल किया गया:

- आटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली (ए.टी.एम.ए.)।
- आल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, नई दिल्ली।
- बिमसन्स रबर (प्रा.) लिमिटेड, केरल
- साऊथ एशिया टायर्स लिमिटेड, औल्लाम्बाल
- थेजो इंजीनियरिंग सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड, मद्रास
- चारको लिमिटेड, थाणे
- बिरला टायर्स, कलकत्ता
- एम.आर.एफ. लिमिटेड, चेन्नई
- सिएट लिमिटेड, मुंबई
- अटिपिलूप पोलिमर्स (प्रा.) लिमिटेड, मुंबई
- अपोलो टायर्स लिमिटेड, नई दिल्ली
- डो कैमिकल इंटरनेशनल लिमिटेड, मुंबई
- जे.के.इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नई दिल्ली
- वामशी रबर लिमिटेड, हैदराबाद
- कैमिकल एंड एलाइड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट्स प्रोमोशन काउन्सिल, कलकत्ता
- आल इंडिया फेंडरेशन आफ रबर फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स
- कनारा स्पाल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, मंकगौर

(xii) याचिकाकर्ता से क्षति सम्बन्धी अतिरिक्त सूचना मांगी गई, जिसको भी प्रस्तुत किया गया।

(xiii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के परिसर पर उस सीमा तक, जोके पर, जांच की, जहां तक आवश्यक समझा गया;

(xiv) प्राधिकारी ने विभिन्न इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के गैर-गोपनीय पाठ को उपलब्ध कराया जिसे प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक फाइल के रूप में रखा गया और इच्छुक पार्टियों के निरीक्षण के लिए खुला रखा गया;

(xv) उत्पादन की अधिकतम लागत निकालने के लिए लागत और विषयाधीन माल को भारत में बनाने तथा बेचने की सागत की जांच समान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांत (जी.ए.पी.) के आधार पर की गई और याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सूचना जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि क्या डिप्पिंग मार्जिन से कम एन्टी-डिप्पिंग इयूटी घेरलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त है।

(xvi) x x x x इस अधिसूचना में एक पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर पेश की गई सूचना का प्रकटीकरण है और इसी प्रकार नियमों के अन्तर्गत प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया;

(xvii) जांच 1 अप्रैल, 1996 से 31 अगस्त, 1997 की अवधि के लिए की गई।

(xviii) प्राधिकारी ने सभी इच्छुक पार्टियों को अपने मत मौखिक रूप से 10 नवंबर, 1998 तक प्रस्तुत करने का अवसर दिया। मौखिक रूप से मत प्रस्तुत करने वाली इच्छुक पार्टियों को मौखिक रूप से अभिव्यक्त मतों की लिखित दस्तीलें देने का अनुरोध किया गया था। पक्षकारों को विरोधी पार्टियों द्वारा अभिव्यक्त मतों की प्रतियां लेने और उसका छाँड़न यदि कोई हो, प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी।

ख. याचिकाकर्ता के दृष्टिकोण:

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका और आद की दस्तीलों में निम्नांकित प्रमुख मुद्दों को उठाया:

(क) एस.बी.आर. का विपुल आयात, जिसमें वृद्धि का रूख प्रदर्शित होता है, उसका भारत में कम कीमत पर प्रवेश हो रहा है। विषयाधीन देशों से निर्यातकर्ता/उत्पादक भारत में एस.बी.आर. उनकी सामान्य कीमत से भी कम कीमत पर डंप कर रहे हैं। लागत बढ़ने के बावजूद हन निर्यातकर्ताओं ने उनकी कीमतें कम कर दी हैं। इसके कारण, यह दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता को भारी छूट और बढ़ी हुई उधार सुविधाएं देने के साथ-साथ उनकी कीमतें कम करने को विवश होता पड़ा है। यह भी कहा गया है कि इन सभी कारणों से याचिकाकर्ता को भारी नुकसान हो रहा है और वे नकद लागत भी बसूल मर्ही कर पा रहे। कीमत में अमीर होने के बावजूद उनका बाजार शेयर 11 प्रतिशत कम हो गया है।

(ख) यह दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता को इस तथ्य के कारण क्षति हो रही है कि उनके उत्पादन और उपभोग क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, एस.बी.आर. के स्टाक में वृद्धि हुई है और जनशक्ति में 5 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। याचिकाकर्ता ने सामग्री क्षति के खतरे का भी दावा किया है, यदि डंप किए गए आयातों पर रोक नहीं लगाई जाती। आयातों में और अधिक वृद्धि होने और घेरलू उद्योग को स्थायी क्षति पहुंचने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। डंप किए गए आयातों में एस.बी.आर. उद्योग के विकास और विस्तार को मंद कर दिया है। डंपिंग के कारण वित्तीय दबाव से परियोजनाओं के शुरू होने में विलंब हुआ है।

(ग) इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ सिंथेटिक रबर प्रोड्यूस ने इम्प्रेशन पोलिमराइजेशन सिस्टम द्वारा उत्पादित स्टाइरीन ब्लूटाइंड रबर के विभिन्न ग्रेडों के लिए निम्नलिखित नंबरिंग सिस्टम अपनाया है:

1000 श्रेणी—हाट नान-पिगमेंटिक रबर

1500 श्रेणी—कोल्ड नान-पिगमेंटिड रबर

1600 श्रेणी—एस.बी.आर. के एक सौ मांगों पर 14 और उससे कम भाग तेल सहित कोल्ड ब्लैक मास्टरबैच

1700 श्रेणी—कोल्ड आयल मास्टरबैच

1800 श्रेणी—एस.बी.आर. के एक सौ भागों पर 14 से अधिक भाग तेल सहित कोल्ड आयल ब्लैक मास्टरबैच।

1900 श्रेणी—इम्प्रेशन रेजिन रबर मास्टरबैच।

उपरोक्त श्रेणियों में प्रत्येक में को-पोलिमर (% स्टाइरीन), इमल्शीफायर टाइप, नाममात्र मूली विस्कोसिटी कोमुलेशन, विनिर्दिष्ट भार और उत्पाद स्टेन के स्तर द्वारा एस.बी.आर. के विभिन्न ग्रेड की विशेषताएं बताई गई हैं। इस प्रकार, एस.बी.आर. का प्रत्येक ग्रेड इन पैरामीटरों में से एक या अधिक में भिन्नता होने के कारण एक दूसरे से अलग है। तथापि, प्रत्येक श्रेणी के अधीन मूल पोलिमरीकरण तकनीकी एक सी रहती है और इस प्रकार रबर की मूल भौतिक प्रकृति भी एक-सी रहती है। इसको देखते हुए प्रत्येक श्रेणी के अधीन यौगिक मुस्त्के में उचित उपांतरण करके अधिकांश कार्यों में एक दूसरे के स्थान पर रखा जा सकता है। इस संबंध में, सिंथेटिक रबर मैन्युफूल देखने से इस तथ्य की पुष्टि होती है। उदाहरणार्थ, 1500 ग्रेड के अधीन तालिका 3-2 में सूचीबद्ध विभिन्न संबंध पोलिमर्स के परिवर्तित पैरामीटर हैं जैसे कि इमल्शीफायर टाइप, नाममात्र मूली विस्कोसिटी कोमुलेशन पढ़ति आदि।

इसके अतिरिक्त एस.बी.आर. के विभिन्न ग्रेडों की अंतर्बदली दो भिन्न-भिन्न श्रेणियों में आने वाले ग्रेडों के बीच भी संभव है। उदाहरणार्थ एस.बी.आर. के 1712 ग्रेड को 1500 ग्रेड और 1500 तथा 1700 श्रेणी में आने वाले रबर के कई अन्य ग्रेडों के स्थान पर रखा जा सकता है यहां तक कि टायर ट्रेड कार्य में भी लाया जा सकता है। इसी प्रकार, एस.बी.आर. के 1502 ग्रेड को विभिन्न कार्यों के लिए 1500 ग्रेड और 1500 तथा 1700 श्रेणी में आने वाले रबर के कई अन्य ग्रेडों के स्थान पर रखा जा सकता है।

(घ) सिंथेटिक रबर को बढ़ती मांग का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि प्राकृतिक रबर की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर बढ़ रहा है। चूंकि रबर पैदाकार क्षेत्र सीमित है, अतः प्राकृतिक रबर का स्थान धीरे-धीरे सिंथेटिक रबर सेता जा रहा है। एस.बी.आर. एक प्रकार का सिंथेटिक रबर है और उपभोक्ताओं की विनिर्दिष्ट आवश्यकताओं को देखते हुए इसका विभिन्न ग्रेडों में उत्पादन किया जाता है।

(ङ) याचिकाकर्ता ने अपनी यह राय व्यक्त की है कि उनके द्वारा तैयार किए जा रहे और अन्य भारतीय उत्पादकों और विदेशी उत्पादकों द्वारा जो भारत में माल डम्प कर रहे हैं, तैयार किए जा रहे एस.बी.आर. की विनिर्माण-प्रक्रिया में कोई बड़ा अन्तर नहीं है।

(च) याचिकाकर्ता ने जापान, तुर्की और कोरिया के मामले में भारत के दूतावास से उनके द्वारा की गई जाँच के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है। जर्मनी और फ्रांस के मामले में, स्पेन से कोटेशन के आधार पर इसका दावा किया गया है। यू.एस.ए. और चीन-ताइपे के मामले में, यह अन्य देश को निर्यात के आधार पर निकाला गया है। याचिकाकर्ता ने निर्यात कीमत का दावा डी.जी.सी.आई.एस. आंकड़ों के आधार पर किया है। भारत के लिए निर्यात कीमत निकालते समय उन्होंने सम्पुरी भाड़े, बीमा, व्याहारी कमीशन और विक्रय-निबंधनों के कारण समायोजन दर्शाया है।

(छ) यूरोपीयन यूनियन (ई.यू.) एक व्यापार/सीमाशुल्क संघ है और इसके सदस्य राष्ट्रों के बीच माल का आदान-प्रदान निःशुल्क होता है। ई.यू. देश डब्ल्यू.टी.ओ. नियमों के अधीन सामूहिक रूप से एंटी-डम्पिंग कार्रवाई का सहारा ले रहे हैं। अतः भारत में डम्पिंग के लिए ई.यू. के सभी सदस्य देशों के विश्वदृष्ट एंटी डम्पिंग उपायों की दशा में, इस बात की अत्यधिक संभावना है कि ई.यू. के अन्य सदस्य राष्ट्रों के माध्यम से सामग्री डम्प कर दी जाएगी। इस बात की बहुत आशंका है क्योंकि कुछ बहुराष्ट्रीय विनिर्माताओं ने ई.यू. देशों में अपने संयंत्र बनाए हुए हैं।

(ज) उत्पादन प्रक्रिया और उत्पादन क्षमता एस.बी.आर. के विभिन्न ग्रेडों के उत्पादन में अतिव्याप्त हो गई है। याचिकाकर्ता ने एस.बी.आर. की डम्पिंग के कारण, जिसमें एस-1502, एस-1712 और एस-1958 शामिल है, घरेलू उद्योग को क्षति होने का दावा किया है। जहां कहीं आवश्यक व्यवहार्य हो, विनिर्दिष्ट ग्रेडों पर पृथक जानकारी दी जाती है।

(झ) याचिकाकर्ता ने उत्पाद की डम्पिंग करते पाए गए सभी देशों से संचित रूप से क्षति का निर्धारण करने का अनुरोध किया है। डम्पिंग का प्रभाव जनवरी, 1997 से आगे बहुत अधिक गंभीर हो गया है।

(ञ) याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उन्हें जो क्षति हुई है वह डम्पिंग के कारण है और इस प्रकार डम्पिंग और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध सिद्ध होता है।

ग. 3. निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टीयों के दृष्टिकोण:

I. आयातकों का दृष्टिकोण:

(क) उद्योग में गंभीर मंदी और मुद्रा स्फीति है जिससे विशेषकर रबर उद्योग संकटग्रस्त हो गया है जो किसी अनुचित एंटी डम्पिंग डब्ल्यूटी का भार नहीं सहन कर सकता।

(ख) याचिकाकर्ता (एस.सी.आई.) से आपूर्ति नियमित नहीं है और ब्वालिटी संतोषजनक नहीं है। वे अपने उपभोक्ताओं की मांग पूरी करने की स्थिति में नहीं हैं। वे उपभोक्ताओं का शोषण करके विनिर्माण के एकाधिकार का दुरुपयोग कर रहे हैं। एस.बी.आर. का आयात करना बाध्यता है अन्यथा एस.बी.आर. की उपलब्धता न होने के कारण उपभोक्ता इकाइयों को बंद करना पड़ेगा।

(ग) याचिकाकर्ता की अनियमित सप्लाई है और कीमतें लगातार बढ़ाई जा रही हैं। याचिकाकर्ता ने अपना संयंत्र अंतिम प्रयोक्ता को पूर्ण सूखना दिए बिना बंद कर दिया है जिससे उनको भारी उत्पादन हानि हुई है।

(घ) याचिकाकर्ता के उत्पाद की ब्वालिटी अन्य आयातित उत्पादों की तुलना में थोड़ी अच्छी है जिनकी पहुँच लागत याचिकाकर्ता के देशी उत्पाद की अपेक्षा सस्ती है। इस स्त्रोत का सहारा न लेने का एक और कारण है इसकी उत्पादन संक्रिया में अव्यवस्था का होना। एंटी डम्पिंग डब्ल्यूटी लगाने से न केवल एस.बी.आर. का आयात और मंहगा होगा, कुछ सीमा तक उसका नियेध होगा, बल्कि रबर आधारित उद्योग की प्रक्षिप्त मांग को पूरा करने के लिए अपेक्षित मात्रा में ब्वालिटी उत्पाद की कमी के कारण उद्योग भी ठप हो जाएगा। याचिकाकर्ता का यह दावा कि उनके पास उपभोक्ताओं की ब्वालिटी और मात्रा दोनों रूप में मांग पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है, तथ्य के विपरीत है। रबर आधारित उद्योग के हित में एस.बी.आर. पर एंटी डम्पिंग डब्ल्यूटी नहीं लगाई जानी चाहिए।

(ङ) टायर कंपनियों विक्रय संबंधों में याचिकाकर्ता के कुप्रबंध के कारण आयात पर अधिक से अधिक निर्भर रहने को विवरण हैं। अधिकांश टायर कंपनियों ने अनियमित मस्लाई, सुपुर्दंगी के नियंत समय का पालन न करने, ब्वालिटी संबंधी निरंतर शिकायतों और लागत वृद्धि से असंबद्ध कीमत वृद्धि के कारण आयात का सहारा लिया है। वे कंपनियों भी, जो अभी भी याचिकाकर्ता से एस.बी.आर. का अत्यधिक भाल लेती हैं, उनके व्यवहार से प्रसन्न नहीं हैं।

(च) आयात में वृद्धि को पृथक करके नहीं देखा जा सकता व्यक्ति उसकी समीक्षा नियंत में वृद्धि को देखते हुए करनी होती है। कुछ टायर कंपनियों ने अपने नियंत स्तर में महत्वपूर्ण वृद्धि की है, अतः जब आयात में वृद्धि पर टिप्पणी को जाती है तो आयात, “अग्रिम लाइसेंस के आधार पर किए गए निःशुल्क आयात की” अवश्य समीक्षा की जानी चाहिए।

(छ) याचिकाकर्ताओं ने स्वयं स्वीकार किया है कि उनकी कार्यक्षमता पर कांडला पत्तन में भीड़-भाड़ के कारण कच्ची सामग्री के प्रतिरोध से, बैंकोकारी पहली द्वारा अधिरोपित उधार मंकुचन से और ग्राहकों द्वारा विलंब से भुगतान करने से प्रभावित हुई है। इसके बावजूद, उनका विक्रय अधिक था, अतः याचिकाकर्ता पर एस.बी.आर. के आयात का कोई प्रभाव प्रतीत नहीं होता। दिसंबर 1997 के प्रारंभ से याचिकाकर्ता ने पहले ही चार कीमत वृद्धियों की घोषणा कर दी है।

(ज) यात्री टायरों के रिडायलेजेशन के परिणामस्वरूप एस.बी.आर. से प्राकृतिक रबर (एन.आर.) की ओर बहुत अधिक शुक्राव आया है। आयात में वृद्धि इस कारण भी है कि नई पीढ़ी के बाहन निर्माताओं को “सेल्यूशन आधारित” एस.बी.आर. टायरों की आवश्यकता है जबकि याचिकाकर्ता “एमल्शन आधारित” तकनीक पर एस.बी.आर. का निर्माण कर रहा है।

(झ) याचिकाकर्ता दक्षतापूर्वक कार्य नहीं कर रहा है और उसने अपनी आंतरिक और बाह्य कार्यक्षमता में सुधार करने का प्रयास नहीं किया है। ऐसी परिस्थिति में जहां कि टायर उद्योग को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का सामना पड़ रहा है, यदि कच्ची सामग्री के प्रदायकर्ता की ओर से अदक्षता लागत के रूप में उस पर डाली जाती है तो वह टायर उद्योग की भावी संभावनाओं के लिए निसंदेह दुःखद होगा। यदि एंटी डम्पिंग अधिरोपित की जाती है तो इससे याचिकाकर्ता को स्थानीय कीमत और बढ़ानी पड़ेगी और यह उपभोक्ता उद्योग पर अपनी पढ़ागि संक्रियात्मक अदक्षताएं डालने का एक सुगम मार्ग होगा।

(अ) याचिकाकर्ता अंतरराष्ट्रीय विक्रेताओं द्वारा दिए जा रहे उधार की तुलना में बहुत कम उधार दें रहा है। टायर उद्योग गंभीर मुद्रा संकट में है और याचिकाकर्ता से लंबी अवधि के उधार दिए जाने का कोई अनुकूल उत्तर नहीं मिला है।

(ट) दक्षिण-पूर्व एशिया के विनिर्माता के लिए यू.एस. डालर के संबंध में करेंसी मूल्य में गिरावट अभूतपूर्व है। इस गिरावट का प्रभाव यह था कि इस उत्पाद के निर्यातों से वही मुद्रा आय पाने के लिए जो कि घरेलू विक्रय से प्राप्त होती है किसी निर्यातक को डालर की वह कीमत कोट करने की आवश्यकता पड़ती है जो उसकी करेंसी के छाप की प्रतिशतता को दर्शाता है। यह डंप करने की मंशा को नहीं दर्शाता है, जो कि एक अनुचित पद्धति होती। डम्पिंग साधित करने के लिए घरेलू कीमत और उस देश की निर्यात कीमत की तुलना करने में “सामान्यीकरण” प्रक्रिया अवश्य होनी चाहिए। यदि ऐसा हो तो मार्जिन न्यूनतम से भी कम होगा।

(ठ) आयात और याचिकाकर्ता के हो रहे अधिकारित नुकसान के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। याचिकाकर्ता ने वर्ष 1993 में एंटी डम्पिंग शुल्क अधिरोपित करने के लिए आवेदन किया था जबकि इयूटी के स्तर बहुत ऊचे थे और इसे मरकार द्वारा मरसरी तौर पर नामंजूर कर दिया गया था। यह आवेदन भी उन्हीं सारहीन आधारों पर किया गया है।

(ड) याचिकाकर्ता द्वारा कुछ सुसंगत आंकड़े जानकारी अपने पाम रखे गए हैं या उन्हें गोपनीय चिह्नित किया गया है तथा उन्हें प्रकट नहीं किया गया है। इस प्रकार कार्यवाहियां पारदर्शी नहीं हैं। याचिका इस सीमा तक ब्रूटिपूर्ण है और इसे तुरंत खारिज किया जा सकता है।

(झ) भारत में एन. आर. : एस. आर. : रिलेम उपयोग का पैटर्न पश्चिमी विश्व के 35 : 65 : 0 की तुलना में 73 : 18 : 9 है। इस खपत पैटर्न का एक कारण भारत में एल. आर. की तुलना में एस. बी. आर. की ऊच्च कीमतें हैं।

(ए) याचिकाकर्ता ने एस. बी. आर. का सर्वप्रथम निर्माण वर्ष 1963 में यू.एस.ए. से आयातित पुराने संयंत्र से शुरू किया। यह संयंत्र अपनी पिछली प्रधानता खो चुका है। इसने हर प्रकार से अपनी उपयोगिता खो दी है। वर्तमान विस्तार पुराने संयंत्र को बदलने के लिए किया गया है।

(त) एस. बी. आर. की मुख्य किस्में विनिर्दिष्ट हैं; “समान वस्तुएं” नहीं हैं और न ही अंतरपरिवर्तनीय हैं। ये हैं :

(I) एमल्शन पोलिमराइज़ एस. बी. आर. (ई. एस. बी. आर.)

(II) हाट एम्सीशीफाइड

(III) कोल्ड एम्सीशीफाइड

(IV) सल्यूशन एस. बी. आर.

(V) थर्मो प्लास्टिक एस. बी. आर।

यह बताया गया है कि सभी उपरोक्त किस्में सीमाशुल्क शीर्ष 4002.19 के अन्तर्गत आती हैं। चार प्रकार के भिन्न-भिन्न टायरों में से भारत के बाल दूसरे प्रकार के टायर का उत्पादन करता है। दूसरे प्रकार के टायर को आगे निम्नलिखित ग्रेडों में वर्गीकृत किया जा सकता है :—

(I) आधल एक्सटेंड ग्रेड : 1712, 1778

(II) शुद्ध एस. बी. आर. ग्रेड : 1500, 1502

(III) हाई स्टाइरिन एस. बी. आर. ग्रेड : 1958, जिसमें स्टाइरिन अंतर्वस्तु 50 प्रतिशत तक है।

इस प्रकार उपरोक्त दृष्टिकोण के अनुसार यह कहा जाता है कि एस. बी. आर. एक साधारण नाम है और जिसमें पालिमर की आवश्यकता अत्यधिक व्यापक है जिसमें अधिकतर के उत्पादन की क्षमता न तो याचिकाकर्ता में है और न ही उमका विनिर्माण होता है। पालिमर के नाम से जाने वाले पालिमर के उन साधारण तत्वों की जांच आरंभ कर दी गई है, जिनमें से कई ग्रेडों और टाइपों का विनिर्माण याचिकाकर्ता द्वारा नहीं किया जा रहा है और न तो उनकी इतनी योग्यता है और न ही उनमें उनके विनिर्माण की क्षमता है।

(थ) याचिकाकर्ता ने यह भाना है कि उनका संयंत्र एक बहुउद्दीय संयंत्र है, जिसमें एम.बी.आर. एन.बी.आर. आदि के उत्पादन की क्षमता है। यद्यपि ऐसी वास्तविकता जानते हुए भी और एन.बी.आर. के उत्पादन की क्षमता दूसरे उत्पादकों की अपेक्षा बहुत कम हो गई है। आगे यह भी कहा गया है कि उपेक्षित खपत की तुलना में याचिकाकर्ता के उत्पादन की क्षमता दूसरे उत्पादकों की अपेक्षा बहुत कम हो गई है। आगे यह भी कहा गया है कि यद्यपि एस.बी.आर. की खपत में धीमी बढ़ोतारी हुई है किन्तु याचिकाकर्ता का उत्पादन 1988 से यथावत है। इस प्रकार एक और तो याचिकाकर्ता उद्योग

की अपेक्षाओं के अनुरूप उत्पादन में सक्षम नहीं हैं और दूसरी ओर वह इस उदारवादी व्यापार क्षेत्र में घटी हुई मात्रा के लिए आवश्यक आयात को रोकना चाहता है।

(ध) इस याचिका में डम्प्ड आयात माल के तथाकथित आयातक आठ दायर कम्पनियां हैं। इसका अर्थ है कि सभग्र नॉन-टायर सेक्टर एंटी डंपिंग जांच की परिधि से बाहर रह जाता है। एंटी डंपिंग जांच में जांच के अधीन आने वाले प्रत्येक ग्रेड/कम्पनी को दिखाया जाता है और इस मामले को साधारण नहीं भासा जा सकता।

(न) वर्ष 1995-96 की तुलना में वर्ष 1996-97 में आयात में वृद्धि हुई है। किन्तु वर्ष 1994-95 की तुलना में इसमें गिरावट आई वर्ष 1995-96 में एस बी आर की विश्वव्यापी कमी थी।

(प) वर्ष 1996-97 के दौरान रूपए और डालर का परिवर्तन मूल्य 1 अमरीकी डालर=35.50 रु. था जो कि अब 1 अमरीकी डालर=42.76 रु. है। अतः प्रति डालर 7 रु. 26 पैसे का छाप हुआ है जो कि 20.40% है। इसलिए आयात मूल्य 20 प्रतिशत ऊपर पहुंच गया जिसके फलस्वरूप अधिकतम या वस्तुतः हानि 5 रु. से 20 रु. तक हुई है, जैसा कि याचिकाकर्ता ने कहा है। अतः याचिका कर्ता को कोई क्षति नहीं हुई है।

(फ) याचिकाकर्ता द्वारा निर्धारित देशों में सामान्य कीमत के साक्ष्य के भार का समाधान नहीं किया गया और इसके लिए कोई समुचित प्रक्रिया भी नहीं अपनाई गई। बताई गई सामान्य कीमत अपर्याप्त, अप्रमाणित और असंगत थी।

(ब) याचिकाकर्ता द्वारा क्षति और डंपिंग के बीच कारणात्मक संबंध को समुचित रूप से सिद्ध नहीं किया गया है। अतः तथाकथित हानि के मामले को आयात के कारण हुई क्षति नहीं भासा जा सकता।

(भ) यह दावा किया जाता है कि शुल्क की दर और विनियम दर में युए परिवर्तनों के कारण फिलहाल एस बी आर की आयात-कीमत में वस्तुतः बढ़ोत्तरी हुई है। मई 1997 की तुलना में जून 1998 में आयात पहुंच कीमत में करीब 33% की वृद्धि हुई है।

(म) एस बी आर की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत में कमी का एक मात्र कारण एस बी आर के लिए कच्ची सामग्री की कीमतों में कमी आ जाना है जो कि स्टाइरिन और बूटाडिन है। याचिकाकर्ता ने अपनी निवेश सामग्री की लागत में अर्द्ध कमी का लाभ उपभोक्ताओं को नहीं दिया है तथा याचिकाकर्ता ने लाभ कमाया है।

(य) यह कहा जाता है कि तथाकथित डम्प आयातों और कंपनी द्वारा प्रकाशित अपने वर्ष 1995-96 और वर्ष 1996-97 के लेखाओं में अन्य कारणों से बताई क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है और निम्नलिखित के कारण भी कोई क्षति नहीं हुई है।

—घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है।

—बिक्री में वृद्धि हुई है।

—उपयोगिता क्षमता में वृद्धि हुई है।

—याचिकाकर्ता द्वारा कुल हानि 7% बाजार शेयर उठाई गई है जिसमें से 5% डम्प आयातों को छोड़कर है तथा 2% हानि तथाकथित डंपिंग के कारण है जिसे वास्तविक नहीं भासा जा सकता।

II नियतिकर्ता का दृष्टिकोण

(क) इस मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी की कोई अधिकारिता नहीं है क्योंकि इसमें घरेलू उद्योग को हुई गम्भीर क्षति की बायत कोई शर्त नहीं है। डम्प माल और क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध भी नहीं है जो एंटी डंपिंग शुल्क अधिरोपण के लिए पूर्व आवश्यकता है। याचिकाकर्ता को असामान्य आकार और कतिपय कमियों के कारण लाभ कम हुआ है। एंटी डंपिंग शुल्क अधिरोपण करके जनसाधारण का भला नहीं होगा। एंटी डंपिंग शुल्क का अधिरोपण एकाधिकार तथा अपरोधक व्यवहार अधिनियम, 1969 के उपबंधों के प्रतिकूल होगा। जोकि एकाधिकार रखने वाले लोगों को प्रोत्साहित करेगा जो तत्पश्चात् अपनी प्रमुख हैं नियत का शोषण करेंगे।

(ख) एंटी डंपिंग शुल्क लगाना दायर उद्योग के हितों के प्रतिकूल होगा जो 7 1/2 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है और जिसका वार्षिक विक्रय कारोबार 2250 करोड़ (मिलियन) अमरीकी डालर है। वार्षिक कारोबार का कुल 30% निर्यात होता है। इसके विपरीत याचिकाकर्ता इस कारोबार में 300 से अधिक व्यक्तियों को नहीं लगता है और उसका नियत विक्रय भी वस्तुतः शून्य है।

(ग) एस बी आर के कई ग्रेड हैं। जिनमें से कुछ ग्रेड सीमा शुल्क टैरिफ को प्रविष्टि संख्यांक 4002.19 के अन्तर्गत आते हैं तथा कुछ अन्य सीमा शुल्क टैरिफ प्रविष्टि संख्यांक 3903.90 के अन्तर्गत आते हैं जो स्टाइरिन और बूटाडिन को पोलिमर हैं किन्तु जो न तो याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित एस बी आर ग्रेड के समान वस्तुएं हैं और न ही उस प्रकार के स्टाइरिन और बूटाडिन को पोलिमर का याचिकाकर्ता द्वारा भारत में उत्पादन किया जाता है। एस बी कुछ प्रकार ऐसे हैं जिनका याचिकाकर्ता के उसी संयंत्र में उत्पादन किया जाना संभव नहीं है तथा उन सभी का या उनमें से कुछ का अंतिम उपयोग एक दूसरे के स्थान पर नहीं हो सकता है। अतः किसी अन्तर्राष्ट्रीय स्त्रोत के उत्पादक के किसी वर्ग के साथ घरेलू स्त्रोत के उत्पाद के किसी वर्ग के मुकाबले जांच आरंभ करना शलत और अस्पष्ट होगा। जिसमें सभी उत्पादों को एक समूह में एक साथ रखा जाता है जिसमें भौतिक रूप या तकनीकी लक्षण भिन्न-भिन्न हों तथा जिनका प्रयोग विस्तृत भिन्न अंतिम उपयोग के लिए होता है। प्राधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह ऐसी वस्तुओं की पहचान करे जो एंटी डंपिंग शुल्क लगाने वायग हैं क्योंकि एस बी आर एक ऐसा नाम है जो कि व्यापक उत्पादन का नाम है और जो उत्पादों या वस्तुओं के एक वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है।

(घ) 1502, 1712 ई एस बी आर ग्रेड और एच एस आर 1958 ग्रेड न तो समान वस्तुएं हैं और न ही वे अन्तरपरिवर्तनीय हैं। यह तर्क दिया जाता है कि किसी एकल उत्पाद या वस्तुओं से भिन्न किसी वस्तु के व्यापक वर्ग की एंटी डंपिंग जांच आरंभ की गई है। इस प्रकार आयातों की मात्रा में वृद्धि का आकलन करने के लिए आंकड़ों की स्पष्ट और समुचित तुलना नहीं की जा सकती है जिसके लिए एंटी डंपिंग कार्रवाई करने की आवश्यकता हो।

(ङ) इस जांच के अन्तर्गत ऐसे कई देश नहीं हैं जिनका व्यक्तिगत रूप से आयात 3 प्रतिशत से अधिक है या यदि उनका व्यक्तिगत आयात 3 प्रतिशत से कम है तो सामूहिक आयात 7 प्रतिशत से अधिक है। इस प्रकार यह विभेदकारी है। प्राधिकारी को किसी भेदभाव रहित रीति से कार्य करना चाहिए तथा बेल्जियम, ब्राजील, इटली, स्विट्जरलैंड आदि जैसे देशों से आयातित उत्पाद की जांच भी करनी चाहिए।

(च) जांच के लिए बनाए गए विद्यमान नियम विधि-विरुद्ध हैं और उन्हें समाप्त किया जाना चाहिए। निर्यातकर्ता ने पूर्णपारदर्शिता रहित संचालित कार्यवाहियों का विरोध किया है।

(छ) स्टाइरिन और बूटाडिन के कोपालिमर के सोल्यूशन टाइम के टायर सामान्यतया जिन्हें संश्लिष्ट रबर के एस बी एस के नाम से जाना जाता है, और जो सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 4002.19 के अन्तर्गत आते हैं, के दूसरे उत्पादक भी हैं। इस याचिका में उन उत्पादकों का नाम नहीं दिया गया है।

(ज) चूंकि याचिकाकर्ता की सुविधा के लिए और गुजरात एपार पोलियर लि. एक बहुउद्देश्य संयंत्र है जिसका ई एस बी आर एन बी आर और एस बी आर लैटिस के सभी ग्रेडों के उत्पादों को मिलाकर यदि जांच की दृष्टि से उन पर विचार किया जाता है तो एस बी आर और एन बी आर के एंटी डंपिंग उपायों की भिन्नता जांच के प्रयोजन पर भी विचार करना होगा। यदि किन्हीं ऐसी वस्तुओं या एलैस्टो मीटर जैसी वस्तुओं को वर्ग से संबंधित कोई जांच की जाती है तो ऐसी दशा में एस बी आर लैटिसेस ऑक मैसर्स एट्टेटेबल लैटिसेस लिमिटेड को मिलाकर की जानी चाहिए चूंकि स्टाइरिन और बूटाडिन के पालिमर के इन टाइप के आयात आंकड़ों को आपस में मिला दिया गया है और चूंकि इसमें याचिकाकर्ता की विद्यमान उत्पादन सुविधा भी थी तथा उस सुविधा का उपयोग एन बी आर ग्रेडों के उत्पादन के लिए भी किया जा सकता है जिसके लिए सरकार द्वारा एंटी डंपिंग शुल्क संरक्षण पहले ही दिया जा चुका है।

(झ) याचिकाकर्ता द्वारा भिन्न-भिन्न ग्रेडों के लिए अलग-अलग दरें ली जाती हैं। याचिका के उद्देश्यपूर्ण विश्लेषण के लिए प्राधिकारी को उत्पादन, विक्रय, कच्ची सामग्री खपत, उत्पादन लागत, आयात-मात्रा और कीमत तथा एस बी आर के टाइप के ग्रेडबार आंकड़े अवश्य रखने चाहिए, जो कि इस मामले में संभव नहीं है।

(ञ) कोरियन निर्यातकर्ता ने प्रतिवाद करते हुए कहा है कि याचिकाकर्ता द्वारा जो कुछ भी उत्पादन किया गया है उसे एस बी आर के ग्रेडों के अंशत टाइप के मैक्सिको निर्यात कीमत का आधार नहीं माना जा सकता जैसा कि एस बी आर के सभी ग्रेडों का कोरिया आर पी के लिए एक सामान्य मूल्य है।

(ट) याचिकाकर्ता ने सभी देशों से सामान्य मूल्य के जो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं वे सही नहीं हैं। कीमतों में कोई निरंतर प्रवृत्ति नहीं है। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में समायोजन की बाबत कोई सबूत पेश नहीं किए गए हैं। कुछ स्थानों में एस. बी. आर. 1712 की कीमत एस. बी. आर. 1502 की तुलना में अधिक रखी गई है, जो कि संभव नहीं है। यह कहा गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा पेश किए गए आंकड़े जाली और भ्रामक हैं। अतः उन पर विश्वास नहीं किया जा सकता है।

(ठ) यदि कुल प्रभाव और कीमतों को ध्यान में रखा जाता है तो यह स्पष्ट है कि जांच अवधि के दौरान एस बी आर के आयात से याचिकाकर्ता को कोई क्षति नहीं हुई है। डी जी सी आई एंड एस के आयात के आंकड़े अविश्वसनीय हैं, क्योंकि वे गलत और विश्वसनीय नहीं हैं। विश्वसनीय आंकड़े रबर बोर्ड से प्राप्त किए जा सकते हैं।

(ड) याचिकाकर्ता को कोई क्षति नहीं हुई, क्योंकि—

—आयात की मात्रा में वृद्धि नहीं हुई है।

—यदि ई. एस. बी. आर. के सभी ग्रेडों को मिला दिया जाए तो उत्पादन में कोई गिरावट नहीं आई है। यद्यपि आंकड़े सही हैं क्योंकि एस बी आर ग्रेड 1502 और 1712 के उत्पादन में गिरावट आई है।

—मांग और आपूर्ति के बीच अन्तर है और याचिकाकर्ता बहुत पहले से मांग और आपूर्ति के अन्तर को पूरा करने में असफल रहा है।

—याचिकाकर्ता के बाजार शेयर कई सालों से 56 से 61% के बीच स्थिर रहे हैं।

—यदि आयात में कोई बढ़ोतरी हुई है तो वह निर्यात में बढ़ोतरी के कारण है, जिसमें अग्रिम लाइसेंसिंग स्कीम के अधीन आयात करना एक आवश्यकता है।

—जांच की अवधि के दौरान क्षति निर्धारण के लिए वित्तीय वर्ष 1995-96 की बाबत विचार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि एस बी आर के मामले में यह वर्ष एक असामान्य वर्ष था।

—आयात की पहुंच कीमतें याचिकाकर्ता द्वारा प्रभावित बरेलू कीमतों की तुलना में अधिक है।

—कीमतों में कटौती करने या उन्हें दबाने का कोई साक्ष्य नहीं है। यदि कीमतें कम हुई हैं तो वे कच्ची सामग्री अर्थात् स्टाइरिन और बूटाडिन की कीमत में कीमी के कारण हुई हैं।

—उत्पादन सूची, 15 दिनों के उत्पादन के बराबर है जो कि सामान्य है।

—यद्यपि याचिकाकर्ता की व्यापिक उत्पादन क्षमता 41,000 टन है जब कि एस बी आर की मांग जोरों पर थी तब भी पिछले 5-6 वर्षों में कभी भी यह लक्ष्य उपलब्ध नहीं किया गया। याचिकाकर्ता अपनी स्थापित क्षमता के बराबर एस बी आर उत्पादन नहीं कर सका क्योंकि उसका संयंत्र पुराना और अप्रचलित है।

—प्रोजेक्ट के वित्तारण में विलंब के लिए डंपिंग कोई कारण नहीं है।

—क्षति की कोई आशंका नहीं है।

(इ) याचिकाकर्ता एस बी आर के ऐसे अन्य उत्पाद को बरेलू बाजार में अपने शेयर गंवा रहा है जो लघुक्षमता वाले संयंत्रों को अधिक क्षमता पूर्ण ढंग से और लाभदायक रूप से चला रहे हैं।

(ग) याचिकाकर्ता को क्षति पहुंचाने वाले कुछ अन्य कारण भी हैं, ये हैं—

- बेरली स्थित संयंत्र का स्थान जो कि अनुपयुक्त है और जो कच्ची सामग्री से कोसों दूर है।
- ई.एस.बी.आर. के प्रोजेक्ट के विस्तारण में अत्यधिक समय लगा।
- कच्ची सामग्री प्राप्त करने के लिए अनुपयुक्त व्यवस्था करना और कागजी प्रबंध करना जैसा कि उनके प्रकाशित लेखाओं से स्पष्ट है।
- एन.बी.आर. के उत्पादन को अरंभ करने में विलंब के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।
- लाभ में बाटा होना किन्तु एस बी आर कारबार में निरन्तर लाभ कमाना।

उपरोक्त को दृष्टि में रखते हुए, डंपिंग और क्षति, यदि कोई है, के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।

आयातकों और निर्यातकर्ताओं के कुछ अनुरोधों को छोड़ दिया गया है और इसलिए उन्हें पुनरावृत्ति के कारण यहां नहीं दिया जा रहा है।

(घ) उत्पाद गए मुद्दों की जांच

4. निर्यातकर्ताओं, आयातकों, याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध प्रकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है तथा उसे मान सिया गया है और इन निष्कर्षों में उन्हें उपयुक्त स्थान देकर कारबाई की गई है।

(ङ) विचाराधीन उत्पाद

5. वर्तमान जांच के अन्तर्गत आने वाला उत्पाद स्टाइरिन बूटाइन रबर (एस.बी.आर) है जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के उपशीर्ष 4002.19 के अधीन वर्गीकृत उक्त देशों का मूल उत्पादन है या उनसे निर्यात किया जाता है तथापि, यह वर्गीकरण सांकेतिक है और किसी प्रकार से यह वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकर नहीं है। एस बी आर एक प्रकार का संश्लिष्ट रबर है। एस बी आर का एक मुख्य तत्व एलेस्टोमर है जिसे प्राकृतिक रबर के साथ मिलाकर ऑटो टायरों, बाईसिकिल टायरों और दृश्यबों, जूतों, ब्रेस्टों तथा होजेज आदि का विनिर्माण किया जाता है। एस बी आर के कुछ भिन्नता वाले टाइप में विद्यमान स्टाइरिन अन्तर्वस्तु उसके अन्य भौतिक/रासायनिक गुणों पर किसी सीमा तक निर्भर है। एस बी आर में स्टाइरिन की मात्रा अलग-अलग हो सकती है जो उसके उपयोजन पर निर्भर है जिसके लिए उसका उपयोग किया जाता है। एस बी आर पालिमर गर्भ प्रकार का (श्रेणी 1000 में जिसका कोड है) रण्डे प्रकार का ऑयल एक्स-टेंडर एस बी आर (श्रेणी 1700 में जिसका कोड है) होता है तथा हाई स्टाइरिन रेजिन मास्टरबेच (श्रेणी 1900 में जिसका कोड है) आदि टाइप के भी हो सकते हैं याचिकाकर्ता दावा करते हैं कि वे एस बी आर ग्रेड एस 1502, एस 1712 और एस 1958 का विनिर्माण और विपणन कर रहे हैं तथा इन्हीं ग्रेडों का मुख्यता आयात किया जा रहा है। आगे यह भी दावा करते हैं कि ग्रेडों का विनिर्दिष्ट उपयोजन है और इनका उत्पादन सामान्य उपस्कर, सुविधा और उत्पादन प्रक्रिया से किया जाता है।

एस बी आर की अनेक किस्मों की और प्राधिकारी का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। एस बी आर की कुछ किस्में सीमाशुल्क टैरिफ सं 3903.90 के अन्तर्गत आती है और एस बी आर पालिमरीकृत सोल्यूशन की कुछ किस्में, जिन्हें एस बी आर के नाम से जाना जाता है, सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष सं 4002.19 के अन्तर्गत आती है। कतिपय इमरशन पालिमराइंड एस बी आर भी है, जिन्हें श्रेणी 1000, श्रेणी 1500, श्रेणी 1700 और श्रेणी 1900 में ग्रेड दिया गया है।

प्राधिकारी ने पाया है कि 3903.19 के अन्तर्गत आने वाली मर्दे विचाराधीन उत्पाद नहीं है तथा श्रेणी 1000 में एस बी आर का उत्पादन याचिकाकर्ता द्वारा नहीं किया जाता है। अतः इस प्रकार के उत्पाद विचाराधीन नहीं हैं। याचिकाकर्ता एस बी आर ग्रेड 1502, 1712 और 1958 का विनिर्माण कर रहे हैं। यद्यपि श्रृंखला 1500, 1700 और 1900 में उसके भिन्न-भिन्न ग्रेड हैं तथा उनका उसी संयंत्र में और उसी विनिर्माण प्रक्रिया द्वारा उत्पादन किया जा सकता है। अतः प्राधिकारी का अभिमत है कि एस बी आर श्रृंखला 1500, श्रृंखला 1700, श्रृंखला 1900 के विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष 4002.19 के अन्तर्गत आते हैं।

(च) समान वस्तुएं

6. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि आयात किए जा रहे उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद एक जैसी ही गुणवत्ता के हैं और सभी टायर कंपनियां तथा अन्य सुख्ख नॉ-टायर कंपनियां, जो विदेशी तकनीकी सहयोग से चल रही हैं, उनका एस बी आर के सप्लायरों की अनुमोदित सूची में नाम है। आगे यह भी दावा किया गया है कि इस तथ्य को कि एस बी आर के उपयोगकर्ताओं के उद्देश्य एक जैसे हैं और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि वे याचिकाकर्ता के उत्पाद और आयातित उत्पाद का उपयोग अन्तरपरिवर्तनीय रूप से कर रहे हैं, जिन आयात या उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा किया जा रहा है तथा इस प्रकार ये उत्पाद ऐंटी डंपिंग नियमों के अधीन आने वाले समान उत्पाद हैं। प्राधिकारी द्वारा पाया गया कि सभी एस बी आर में एटाइरिन तथा बूटाइन के को-पालिमर हैं और यद्यपि उनके विनिर्दिष्ट उपयोग हैं फिर भी वे एक जैसा ही काम करते हैं। प्राधिकारी ने यह भी पाया कि एस बी आर के भिन्न-भिन्न ग्रेड के विनिर्माण के लिए उसी विनिर्माण प्रक्रिया, उपस्कर और अन्य सुविधाओं की आवश्यकता है जिनकी सामान्यतया होती है। एस बी आर के भिन्न-भिन्न ग्रेड केवल को-पालिमर के स्तर और उसके मापदण्ड को ही दर्शाते हैं। अतः प्राधिकारी ने देखा और पाया घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एस बी आर के प्रत्येक टाइप/ग्रेड उसी लक्षण के हैं जो विषयाधीन देशों से आयातित एस बी आर उत्पाद से काफी मिलते जुलते हैं और तकनीकी तौर पर तथा वाणिज्यिक दृष्टि से परिवर्तनीय हैं। अतः ये उक्त नियमों के अधीन समान वस्तुओं की श्रेणी में आते हैं। उदाहरणार्थ घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एस 1502 उत्पाद बिल्कुल वैसा ही है जैसा कि वह विषयाधीन देशों से एस 1502 के रूप में आयात किया जाता है। अतः ये समान वस्तुओं की श्रेणी में आते हैं।

(घ) घरेलू उद्योग

7. मैसर्स सिंथेटिक एण्ड केमिकल लिमिटेड, ओरियंटल हाउस, 7 जे, टाटा रोड, चर्चगेट, मुम्बई-400020 ने एक याचिका फाइल की है। मैसर्स एपार, गुजरात एपार एण्ड मैसर्स एप्लोटेस लेटिसेस के बारे में कहा जाता है कि वे एस बी आर के अन्य उत्पादकों में हैं। रबर ब्रोड, भारत द्वारा

“रबर स्टेटिस्टिकल न्यूज़” में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार पी ओ आई के दौरान एस बी आर का कुल उत्पादन 56980 मीट्री टन था। याचिकाकर्ता ने एस बी आर के सभी ग्रेडों का 43861 टन उत्पादन किया था। इस प्रकार याचिकाकर्ता ने एस बी आर के घेरेलू उत्पादन का 25 प्रतिशत से अधिक का उत्पादन किया और इसलिए नियमों के अधीन घेरेलू उद्योग की ओर से उसे यह याचिका फाइल करने का अधिकार है।

डंपिंग

8. धारा 9क (1) (ग) के अधीन किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से निम्नलिखित अभिप्रेत हैं—
 - (1) व्यापार के सामान्य अनुक्रम में समान वस्तु की तुलनात्मक कीमत जब वह निर्यात के देश या उपधारा (9) के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार यथा अवधारित क्षेत्र में उपयोग के लिए तात्पार्यत है; या
 - (2) जब व्यापार के सामान्य अनुक्रम में निर्यातक देश या क्षेत्र के घेरेलू बाजार में वैसी ही वस्तु का विक्रय नहीं किया जाता है या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के बाजार में विशिष्ट बाजार स्थिति या विक्रय मात्रा में कमी के कारण कोई विक्रय नहीं होता है या ऐसा विक्रय सामान्य मूल्य की समुचित तुलना में अनुज्ञात नहीं होता है तो सामान्य मूल्य निम्नानुसार होगा—
 - (क) जब उसका निर्यात निर्यातक देश या उपधारा (6) के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार यथा अवधारित क्षेत्र के लिए समान वस्तु की तुलनात्मक प्रतिरूपी कीमत,
 - (ख) युक्तियुक्त वर्धन मूल्य सहित प्रशासनिक, विक्रयार्थी और साधारण लागत में तथा उपधारा (6) के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार यथा अवधारित लाभ सम्बिलित करते हुए उक्त वस्तु के मूलदेश में उसके उत्पादन की लागत।

परन्तु मूल देश से पृथक किसी अन्य देश से वस्तु के आयात के मामले में और जहां निर्यातक देश से उसका पोत परिवहन किया जाता है वह उस मामले में या निर्यातक देश में उस वस्तु का उत्पादन या निर्यातक देश में उसकी तुलनात्मक कीमत न होने की दशा में मूल देश में उसकी कीमत के प्रतिनिर्देश से सामान्य मूल्य अवधारित होगा।

9. प्राधिकारी ने उपरोक्त धारा के सन्दर्भ में विप्रयाधीन देशों के निर्यातकों को एक प्रश्नावली भेजी। निर्यातकों द्वारा सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की बाबत दाख निम्नानुसार किया गया है।

1.10 निर्यातकों के दाखे

देश संयुक्त राज्य अमेरिका

निर्यातक—अमेरिपोल सिनपोल कॉर्पोरेशन

उन्होंने दाख किया है कि ए एस सी को डंपिंग आरोप में शामिल करने का कोई आधार नहीं है, क्योंकि भारत को उन्होंने जिस उत्पाद का निर्यात किया है वह वस्तु उनके देश में उपलब्ध नहीं है। भारत में विनिर्भित किए जाने वाले ग्रेड सीमित हैं और आगे यह भी दाख किया गया है कि वे भारत को बेचे जाने वाले ग्रेडों के विश्व में एक मात्र उत्पादक हैं। आगे यह भी दाख किया गया है कि किन्हीं अन्य देशों को निर्यात की जाने वाली कीमतों में और उनके घेरेलू बाजारों की कीमतों में तथा भारत को निर्यात किए जाने वाले उत्पाद की कीमतों में कोई अंतर नहीं है। भारत में विक्रय की मात्रा पिछले कुछ वर्षों से धीमी हो गई है और भारत के कुल आयात के प्रतिशत की मात्रा काफी कम है। आगे यह भी दाख किया गया है कि उन्हें डम्पिंग के आरोपों से मुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा है कि उन्हें भारत को निर्यात करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार द्वारा कोई प्रोत्साहन नहीं दिया गया है।

यह और दाख किया गया है कि पी ओ आई के दौरान उन्होंने एस बी आर ग्रेड 8401 और पी सी यू निर्यात किया है। ग्रेड 8401 एक विशेष ग्रेड है और वे इस सामग्री के विश्व में एक मात्र उत्पादक हैं। 8401 एक विशेष डैंपरेशन (आर) आयल एक्टेंडेड (37.5 पींसेक्युआर), एस बी आर पालियर 39.5% स्टाइरिन बांड उत्पाद है। इसमें उच्च दाख लक्षण और कम आयु दाख अनुज्ञेयता है इसका उपयोग टायर लाइनर, टायर ट्रीड, आटोमोटिव माउंट्टेस्ट, रैसिंग टायरों में किया जाता है। इसमें परम्परागत एस बी आर के मुकाबले तेज गति से रुकने और शोर को दबाने की क्षमता है। पी सी यू जिसे प्लांट्स बलीन्स अप नाम दिया गया है उसमें उपस्कर्तों और फर्श आदि की सफाई करके एकत्र किया जाता है, जिसमें एस बी आर ग्रेड के सभी प्रकार के स्क्रैप होते हैं और यह एस बी आर सामग्री के विनिर्देश का हिस्सा नहीं है।

निर्यातकर्ता ने ग्रेड 8401 और पी सी यू की घेरेलू कीमत और भारत को निर्यात कीमत के संबंध में जानकारी भेजी है। यह दाख किया गया है कि निर्यात कीमत या तो एक ओ बी फैक्टरी है या एफ ओ बी पोर्ट आफ हम्पस्टन तक थी। निर्यातक ने दाख किया है कि अन्तर्राष्ट्रीय मालभांड़ की बाबत जब कीमत अताई गई थी तो वह पोत पर्यवर्त निःशुल्क (एफ ओ बी) थी। घेरेलू विक्रय की बाबत यह दाख किया गया है कि उसकी कीमत सूची एस वर्क के अनुसार है। उन्होंने छूट/कमीशन के समायोजन की बाबत भी दाख किया है। इस प्रकार उपरोक्त ग्रेडों के डंपिंग मार्जिन की बाबत कोई दाख नहीं किया गया है और लागत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

निर्यातक गुड इयर टायर एंड रबर कंपनी

निर्यातक द्वारा यह दाख किया गया है कि उनके अपने अभिलेख का मुनरावलोकन करने तथा विक्रय और विपणन से जुड़े लोगों से चर्चा करने के पश्चात उन्होंने सुसंगत जांच अवधि के दौरान एस बी आर उत्पाद की बाबत भारतीय बाजार में सक्रीय भाग नहीं लिया है। इसके बजाए उन्होंने भारत में गुड इयर से मान्यता प्राप्त कंपनियों को अनेक अन्तरण तब किए थे, जब याचिकाकर्ता गुड इयर इण्डिया को कुछ आपूर्ति करने की व्यवनिवृद्धता पूरी करने में असफल हो गया था। यह भी दाख किया गया है कि उन्होंने इस सुसंगत अवधि के दौरान भारत में किसी अन्य उपभोक्ता को एस बी आर नहीं बेचा है और न ही ऐसा करने की कोई योजना है। उन्होंने अन्य कोई जानकारी नहीं दी है।

देश फ्रांस

निर्यातकर्ता बाधर

यह दावा किया गया है कि वे यूरोप और भारत में अपने डीलरों और विशेषकर यूरोप में अंतिम प्रभोक्ताओं को विक्रय करने के कारबार को सुगम बनाने की योजना बना रहे हैं। यह मूल्य-हांचा भारत तथा यूरोप दोनों के व्यापारियों के लिए बिल्कुल एक जैसा है। यूरोप में रिपोर्ट की पढ़ति विद्यमान *जो विशेषतया थोड़ी मात्रा के ठेकों की बाबत है जोड़ से 7% के बीच एक प्रभावी कीमत कटौती के बराबर है। यह पद्धति उनके लिए भारत में प्रचलित नहीं है। क्योंकि यह थोड़ी मात्रा के कारबार के लिए है। उन्होंने आगे वह भी दावा किया है कि जांच की अधिकारी कीमत के बराबर ही भारत को एस बी आर का विक्रय किया गया था। उन्होंने क्राइलिन एच एस 260 ग्रेड की बाबत भी जानकारी दी है। वह भी कहा गया है कि इसकी कीमतें मामला-दर मामला तय की गई हैं। अतः इस बाबत कोई कीमत सूची नहीं दी गई थी क्योंकि वह उच्चमत प्रतियोगिता बाजार में निर्धारक हो जाती।

भारत को निर्यात कीमत की गणना करते समय अन्तर्देशीय माल-भाड़ा रखखाल, समुद्री परिवहन माल भाड़ा, सामुद्रिक बीमा जैसे मददे होने वाले खर्च के समायोजन का भी दावा किया है निर्यात के लिए एक्सेस फैक्टरी कीमत अमरीकी डालर प्रति किलोग्राम दावा की गई है।

उन्होंने अपने घेरलू विक्रय में अन्तर्देशीय माल भाड़े मददे कीमत समायोजन का भी दावा किया है। उन्होंने एक्स फैक्टरी स्तर पर घेरलू विक्रय की बाबत कोई आंकड़े नहीं दिए हैं। उन्होंने औसत घेरलू कीमत और लागत आंकड़े भी नहीं बताये हैं। यह कहा गया है कि अन्य सामग्री लागत और प्रत्यक्ष श्रम लागत विक्रय किए गए समस्त उत्पाद के अनुरूप है। उपरी लागत क्राइलिन एच एस 260 के समस्त उत्पादन-मात्रा में बराबर-बराबर में आवंटित है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि उन्हें प्रादेशिक या राष्ट्रीय सरकार या प्राधिकारियों की ओर से कोई आर्थिक महायता नहीं मिली है।

(2) निर्यातकर्ता-मिश्लीन, फ्रान्स

निर्यातक द्वारा दावा किया गया है कि उन्होंने भारत को एस बी आर का निर्यात नहीं किया है अतः उन पर एन्टी डंपिंग शुल्क अधिरोपित न किया जाए। आगे वह भी कहा गया है कि यदि वे भविष्य में एस बी आर की सप्लाई के लिए भारत में कोई आर्डर प्राप्त करते हैं तो वे न्यू शिपर रिव्यू की बाबत अनुरोध करने का अपना अधिकार सुरक्षित करते हैं।

देश-जर्मनी

निर्यातकर्ता-बूना सो ल्यूना ओलेपिन वरबंड गैम्ब (बी एस एल) जर्मनी डोब्र कैपिकल्स इण्टरनेशनल मुख्य के माध्यम से

यह दावा किया गया है कि कंपनी का नाम काम्बीनेट बेब्र केमिश वर्क बूने से बदल कर बूना सो ल्यूना ओलेपिनबरबंड गैम्ब रखा गया है। यह भी दावा किया गया है कि जांच अधिकारी के द्वारा जून, 1997 में उन्होंने भारत को मीटरी टन का एक पारेपण निर्यात किया था। यह पारेपण भारत में एस बी आर की कुल खपत की ट्रॉफिट से नागण्य है इसके अतिरिक्त यह पहला-पहला आजमाइशी आर्डर था जिस पर सामान्यता अतिरिक्त खर्च होता है जो उपभोक्ता के परीक्षण के लिए है। इस प्रकार से बाजार कीमत से थोड़ी कम कीमत प्रभारित करने के लिए न्यायोचित हैं जो कि उपभोक्ता के परीक्षण खर्चों को बांटने पर आती है। आगे यह भी दावा किया गया है कि प्रभारित निर्यात कीमत घेरलू कीमत की तुलना में ज्यादा थी अतः कोई डंपिंग शुल्क स्वीकार नहीं किया गया है। आगे यह भी कहा गया है कि उन्होंने बहुत थोड़ी सी मात्रा की केवल एक पारेपण का निर्यात किया था, अतः वे प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली पर कोई विस्तृत रिपोर्ट देने के इच्छुक नहीं हैं।

देश-ताइवान

निर्यातकर्ता-ताइवान सिंच्येटिक रबर कारपोरेशन (टी एस आर सी) निर्यातकर्ता ने एस बी आर के 1502 और 1712 के संबंध में जानकारी भेजी है।

सामान्य मूल्य : घेरलू कीमत संरचना की बाबत उन्होंने एक सामान्य मूल्य सूची भेजी है। उन्होंने कमीशन मददे कीमत समायोजन (जो कि विक्रय कीमत का औसत प्रतिशत है) का और अन्तर्देशीय माल भाड़े का दावा भी किया है।

निर्यात कीमत : उन्होंने भारित औसत कीमत के आधार पर प्रतिशुनिट कीमत का दावा किया है। उन्होंने बट्टा/कमीशन, अन्तर्देशीय माल भाड़ा, रखखाल लंगर स्थल फीस और संवर्धन प्रभार समुद्र परिवहन माल भाड़ा (पोट परिवहन प्रभारों सहित) तथा सामुद्रिक बीमा मददे कीमत के समायोजन का दावा किया है।

इस प्रकार डंपिंग मार्जिन का दावा निम्नानुसार हैं :—

ग्रेड निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में मार्जिन

एस बी आर 1502 7.14%

एस बी आर 1712 6.57%

देश : तुर्की

निर्यातकर्ता—पेटकिम पेट्रोकीमिया होलिडंग ए एस

उन्होंने दावा किया है कि उनका वार्षिक उत्पादन और विक्रय 14,00,000 मीटरी टन हुआ है तथा वे अपने इस उत्पादन का लगभग 20% निर्यात करते हैं। 'यूरोपियन समुदाय' को उनका निर्यात, उनकी निर्यात-बिक्री से 50% अधिक है और उन्होंने आज तक एन्टी डंपिंग, सेप गार्ड आदि जैसी किसी जांच का सामना नहीं किया है। उन्होंने कहा है कि वे केवल एस बी.आर. 1502 और एस.बी.आर. 1712 टाइपों का उत्पादन करते हैं न कि एस 1958 टाइप का उत्पादन। आगे यह भी कहा गया है कि भारतीय घेरलू उत्पादकों को इसका निर्यात करने में उसे किसी प्रकार की आशंका नहीं है तथा वे भविष्य में भारत में निर्यात की किसी अडाती की आशा नहीं करते हैं।

सामान्य मूल्य : उन्होंने एस.बी.आर. 1502 और एस बी आर 1712 के एकस फैक्टरी स्तर पर प्रति मीटरी टन के लिए क्रमशः अमरीकी और प्रति मीटरी टन अमरीकी डालर भारित औसत घरेलू कीमत का दावा किया है । उन्होंने घरेलू कीमतों की बाबत किसी समायोजन का दावा नहीं किया है ।

निर्यात कीमत : उन्होंने ब्याज कमीशन, समुद्री मालभाड़ा और समुद्री बीमा के मद्देन कीमत समायोजन का दावा किया है । भारत को निर्यात की बाबत एक्स फैक्टरी कीमत एस बी आर 1502 और एस.बी.आर. 1712 के लिए अमरीकी डालर है अतः डंपिंग मार्जिन निष्पानुभार है :—

ग्रेड निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में डंपिंग मार्जिन

एस बी आर 1502 28.82%

एस बी आर 1712 13.66%

उन्होंने जांच की अवधि के दौरान एस.बी.आर. के दोनों ग्रेड पर लाभ अर्जित करने का दावा किया है ।

देश—कोरिया

मैसर्स कोरिया कुम्हो पैट्रोकैमिकल्स कंपनी कोरिया

उन्होंने 1502, 1712, 1778 और के.एस.एस. 58 की बाबत जानकारी भेजी है । यह कहा गया है कि कोरिया में एस बी आर के दो उत्पादक और एक अन्य उत्पादक मैसर्स हुएल्ड ऐट्रोकैमिकल्स कंपनी और उन्हें इनके भारत को निर्यात किए जाने की कोई जानकारी नहीं है ।

सामान्य मूल्य : उन्होंने प्रचलित घरेलू कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है जो कि भारित औसत पर आधारित है । उन्होंने बट्टे/प्रत्यक्ष ब्याज, पैकिंग, अन्तर्रेंशीय मालभाड़ा, भण्डारण, रख-रखाव करों, तकनीकी सेवाओं, संवर्धन यात्रा खर्चों, डबल ऋण खर्चों और विज्ञापन खर्चों मद्देन कीमत समायोजनों का दावा किया है । यह दावा किया है कि घरेलू पैकिंग निर्यात पैकिंग से भिन्न होती है क्योंकि इसका डिजाइन रोबोट के लिए है और जिसका औसत चक्रम 1.3 बार होता है कर की रकम की बाबत दावा किया गया है कि वह निर्यात विक्रय पर कच्ची सामग्री के लिए तब वापिस कर दी जाती है जब उसका घरेलू विक्रय कर दिया जाता है और यह कंपनी द्वारा समाहित कर दी जाती है ।

निर्यात कीमत : उन्होंने जांच की अवधि के दौरान भारित औसत के आधार पर सी आई एफ निर्यात कीमत का दावा किया है । उन्होंने बट्टे/कमीशन, पैकिंग, अन्तर्रेंशीय माल भाड़ा, निरीक्षण फीस, समुद्री माल भाड़ा और समुद्री बीमा मद्देन कीमत समायोजन का दावा किया है । यह भी कहा गया है कि निर्यात उत्पादन में प्रयुक्त की गई कच्ची सामग्री पर सीमाशुल्क में छूट, दान, अनुसंधान एवं विकास कार्य आदि के लिए अन्य समायोजन अभी सुनिश्चित नहीं किया गया है और वे सत्यापन के समय आंकड़े प्रस्तुत करेंगे ।

लागत जानकारी के अनुसार वे 1502 और 1712 ग्रेडों पर लाभ कमा रहे हैं । सामान्य कीमत और निर्यात की तुलना से जो डंपिंग मार्जिन दर्शित होता है वह इस प्रकार है :—

ग्रेड निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में डंपिंग मार्जिन

एस बी आर 1502 9.43%

एस बी आर 1712 2.85%

देश—जापान

निर्यातक—मित्शुबिशि कैमिकल

उन्होंने दावा किया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात नहीं किया था और उनका विद्यमान परिस्थितियों में भारतीय बाजार में एस. बी. आर. के किसी निर्यात को प्रारंभ करने का आशय नहीं है । इस प्रकार, यह कहा गया है कि हम इस प्रश्नावली का उत्तर देना आवश्यक नहीं समझते ।

निर्यातक—शिपर-फुजी कैमिकल डेवेलोपमेंट कंपनी लिमिटेड

फुजी कैमिकल डेवेलोपमेंट कंपनी लिमिटेड ने दावा किया है कि वे निमशुई एंड कंपनी के शिपर हैं और निमशुई कंपनी द्वारा दिए गए आंकड़े यथावश्यक परिवर्तन सहित उन्हें लागू होंगे, अतः अलग से प्रश्नावली का उत्तर फाइल नहीं किया जा रहा है ।

निर्यातक—निमशुई एंड कंपनी

उनके द्वारा यह दावा किया गया है कि वे जे.एस.आर. कंपनी के प्राधिकृत व्यौहारी हैं, और फुजी कैमिकल डेवेलोपमेंट कंपनी लिमिटेड उनकी शिपर हैं । यह भी दावा किया गया है कि जे.एस.आर. कंपनी द्वारा दी गई सी. आई. एफ. या सी.एफ.आर. कीमत जे.एस.आर. से निमशुई को दी गई है । कीमत की गणना जे.एस.आर. द्वारा कुछ भाड़ा दरों, कमीशन दरों आदि का प्रयोग करके की गई है जोकि जे.एस.आर. को दी गई है । शिपरों के लिए, निमशुई कंपनी जे.एस.आर. का माल किसी जलयान पर भेजने के लिए फुजी को निदेश देगी । सामान्य मूल्य के बारे में उन्होंने पृथक आंकड़े नहीं दिए हैं और कहा है कि वे जे.एस.आर. कंपनी के अनुसार हैं ।

निर्यातक—जे.टी.सी. कारपोरेशन

यह कहा गया है कि मैसर्स जे.टी.सी. कारपोरेशन, जापान जे.एस.आर. से क्रय किए गए एस.बी.आर. का निर्यातक है । उन्होंने पृथक सामान्य मूल्य का दावा नहीं किया है ।

जे.एस.आर. कारपोरेशन (पूर्वतर में जापान सिंथेटिक रबर कंपनी लिमिटेड के नाम से ज्ञात)

निर्यातक द्वारा यह दावा किया गया है कि उन्होंने जांच अवधि को दौरान भारत के एस.बी.आर. के तीन ग्रेड निर्यात किए हैं । ये ग्रेड हैं एस.

1500, एस. 1712 और एस. 1502। यह भी कहा गया है कि जे.एस.आर. उपने घरेलू बाजार में भी अन्य ग्रेडों के अलावा एस.बी.आर. के इन तीन ग्रेडों का विक्रय करता है। जापान में विक्रीत ग्रेड भारत में निर्यातित ग्रेडों के समान हैं।

सामान्य मूल्य

उन्होंने भारित औसत कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है। उन्होंने कारखाना-द्वार कीमत निकालते समय अंतर्देशीय भाड़े, बीमा, व्याज और भंडारकरण के मद्दे समावेश का दावा किया है। उन्होंने घरेलू बाजार के लिए उत्पादित अतिरिक्त ग्रेडों के मद्दे $\times \times \times \times$ पी.एम.टी.यू.एस. डालर की कटौती का दावा किया है जिसके परिणामस्वरूप कम उत्पादन और क्षमता उपयोग हुआ है। परिणामतः घरेलू बाजार में उत्पादित और विक्रीत एस.बी.आर. की प्रति यूनिट नियत लागत अधिक है।

निर्यात कीमत

यह दावा किया गया है कि कोई सूची कीमत नहीं है। उन्होंने निर्यात कीमत निकालते समय जापान ट्रेडिंग हाउस, इंडियन ट्रेडिंग हाउस, अंतर्देशीय भाड़े, बीमा, समुद्री भाड़े समुद्री बीमा, व्याज और कमीशन के मद्दे कटौती का दावा किया है।

डम्पिंग मार्जिन, जिसका दावा किया गया है, इस प्रकार है :

ग्रेड डम्पिंग मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में

एस. 1502	10.32
एस. 1712	कोई डम्पिंग नहीं
एस. 1500	कोई डम्पिंग नहीं

ज. 11 प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों के दावों की जांच

जैसा कि पहले बताया गया है, प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद पर एस.बी.आर. 1500 श्रेणी, एस.बी.आर. 1700 श्रेणी तथा एस.बी.आर. 1900 श्रेणी के रूप में विचार कर रहा है। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि विभिन्न देशों में कुछ ग्रेडों के नंबर भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। जहां कहीं ग्रेड बार जानकारी उपलब्ध कराई जाती है, वहां प्राधिकारी ने अंतिम उपयोग के रूप में डम्पिंग मार्जिन की गणना की है और एस.बी.आर. के भिन्न-भिन्न ग्रेडों में कीमतें भिन्न-भिन्न हैं।

विभिन्न निर्यातकों के दावों की निम्नानुसार जांच की गई।

देश : यू.एस.ए.

निर्यातक : अमेरीपोल सिनपोल कारपोरेशन (ए.एस.सी.)

प्राधिकारी यह नोट करता है कि निर्यातक ने एस.बी.आर. 1500 श्रेणी, एस.बी.आर. 1700 श्रेणी और एस.बी.आर. 1900 श्रेणी के बारे में जानकारी नहीं दी है। उन्होंने एस.बी.आर. ग्रेड 8401 और पी.सी.यू. के बारे में जानकारी दी है। लागत संबंधी जानकारी नहीं दी गई है। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या ग्रेड 8401 और पी.सी.यू.एस.बी.आर. 1500 श्रेणी, एस.बी.आर. 1700 श्रेणी और एस.बी.आर. 1900 श्रेणी की मद्दों के समान हैं। यह दावा किया गया कि एस.बी.आर. 8401 एस.बी.आर. का भिन्न ग्रेड है। चूंकि निर्यातक द्वारा विचाराधीन उत्पाद के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है, अतः, प्राधिकारी का यह विचार है कि याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी है और सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का अवधारण क्रमशः 1286 यू.एस. डालर पी.एम.टी. और 985 यू.एस. डालर पी.एम.टी. किया है जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा दावा किया गया है। डम्पिंग मार्जिन की गणना 301 यू.एस. डालर पी.एम.टी. की गई है, जो निर्यात कीमत की 30.55% है।

देश : फ्रांस

निर्यातकर्ता—ब्रेयर

प्राधिकारी नोट करता है कि निर्यातकर्ता ने एस.बी.आर. 1500 श्रेणी, एस.बी.आर. 1700 श्रेणी और एस.बी.आर. 1900 श्रेणी के बारे में जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। उन्होंने क्राइलेन एच.एस. 260 ग्रेड के बारे में कुछ जानकारी दी है। लागत संबंधी जानकारी नहीं दी गई है। यह प्रमाण नहीं दिया है कि ग्रेड क्राइलेन ग्रेड एच.एस. 260 एस.बी.आर. 1500 श्रेणी, एस.बी.आर. 1700 श्रेणी और एस.बी.आर. 1900 श्रेणी की वस्तु जैसे है। क्योंकि निर्यातकर्ता द्वारा जानकारी नहीं दी गई है अतः प्राधिकारी यह विचार करता है कि याचिकाकर्ता द्वारा दी गई जानकारी सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध जानकारी है और यह अवधारित करता है कि याचिकाकर्ता द्वारा क्रमशः यू.एस.डालर 1100 पी.एम.टी. और यू.एस.डालर 858 पी.एम.टी. के दावे के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत है। एटी डम्पिंग मार्जिन यू.एस.डालर 242 पी.एम.टी. परिणित किया गया है जो निर्यात कीमत का 28.20% है।

देश : जर्मनी

निर्यातकर्ता—बी.एस.एल.०

प्राधिकारी यह नोट करता है कि निर्यातकर्ता ने, भारत को अपने निर्यात की आवत जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। इसको देखते हुए प्राधिकारी यह विचार करता है कि याचिकाकर्ता द्वारा दी गई जानकारी सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध जानकारी है और यह अवधारित करता है कि याचिकाकर्ता द्वारा क्रमशः यू.एस.डालर 1100 एम.टी. और यू.एस.डालर 881 पी.एम.टी. के दावे के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत है। एटी डम्पिंग मार्जिन यू.एस.डालर 219 पी.एम.टी. परिणित की जाती है जो निर्यात कीमत का 24.86% है।

देश : ताइवान

निर्यातकर्ता—ताइवान सिंथेटिक रबर कारपोरेशन

सामान्य मूल्य

प्राधिकारी यह नोट करता है कि सामान्य मूल्य का दावा भारित औसत घेरेलू कीमत के आधार पर किया गया है और कमीशन तथा अन्तर्देशीय मालभाड़े मद्दे समायोजन का दावा किया गया है। प्राधिकारी यह अवधारित करता है कि सत्यापन के अधीन रहते हुए, प्राथमिक अवधारण के प्रयोजन के लिए एस०बी०आर० 1502 की बाबत $\times \times \times$ यू०एस०डालर और एस०बी०आर० 1712 की बाबत $\times \times \times$ यू०एस०डालर के दावे के अनुसार सामान्य मूल्य हो।

निर्यात कीमत

निर्यात कीमत, भारत को भारित औसत निर्यात कीमत के आधार पर है। उन्होंने बट्टा भत्ता और कमीशन, अन्तर्देशीय भाड़ा, उठाई-भराई, पतन संनिर्माण फीस और संवर्धन प्रभार, समुद्री माल भाड़ा (जिसमें पोत परिवहन प्रभार है और समुद्री बीमा मद्दे समायोजन का दावा किया गया है) के लिए पतन संनिर्माण फीस और संवर्धन प्रभारों के सिवाय, सत्यापन के अधीन रहते हुए प्राथमिक अवधारण के लिए अनुमति दी जाती है। पतन संनिर्माण फीस और संवर्धन प्रभार की अनुमति नहीं दी गई है क्योंकि उनकी प्रकृति स्पष्ट नहीं है। इस प्रकार निर्यात कीमत, $\times \times \times \times$ एस०बी०आर० 1502 ग्रेड की बाबत, $\times \times \times \times$ यू०एस०डालर पी०एम०टी० और एस०बी०आर० 1712 ग्रेड की बाबत $\times \times \times \times$ यू०एस०डालर पी०एम०टी० सत्यापन के अधीन रहते हुए, अवधारित की जाती है। एस०बी०आर० 1502 ग्रेड की बाबत डम्पिंग मार्जिन, $\times \times \times \times$ यू०एस०डालर पी०एम०टी० परिगणित किया गया है जो निर्यात कीमत का 6.68% है और एस०बी०आर० 1712 ग्रेड की बाबत, $\times \times \times \times$ यू०एस०डालर पी०एम०टी० परिगणित किया गया है जो निर्यात कीमत का 6.07% है।

देश—तुर्की

निर्यातकर्ता—पेटकिन पेट्रोकिनिस होलिंग ए. एस.

सामान्य मूल्य

प्राधिकारी नोट करता है कि सामान्य मूल्य घेरेलू कीमत के भारित औसत पर है और समायोजन का दावा नहीं किया गया है। सत्यापन के अधीन रहते हुए, इसकी अनुमति दी जाती है और एस.बी.आर. 1502 की बाबत *** यू.एस.डालर पी.एम.टी. और एस.बी.आर. 1712 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर पी.एम.टी. अवधारित किया जाता है।

निर्यात कीमत

निर्यात कीमत, निर्यात कीमत के भारित औसत के आधार पर परिगणित की जाती है। ब्याज, कमीशन, समुद्री माल भाड़ा और रामुद्री बीमा मद्दे दावे को अनुमति सत्यापन के अधीन रहते हुए, प्रारंभिक अवधारण के लिए दी जाती है। निर्यात कीमत एस.बी.आर. 1502 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर पी.एम.टी. और एस.बी.आर. 1712 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर अवधारित की जाती है। डम्पिंग, मार्जिन एस.बी.आर., 1502 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर पी.एम.टी. है जो निर्यात कीमत का 28.82% है और एस.बी.आर. 1712 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर पी.एम.टी. है जो निर्यात कीमत का 13.66% है।

देश—कोरिया

निर्यातकर्ता—कोरिया कुम्हो पैट्रोकेमिकल्स कंपनी लिमिटेड :

सामान्य मूल्य

सामान्य मूल्य, घेरेलू कीमत के भारित औसत के आधार पर परिगणित किया जाता है। प्राधिकारी छूट/उधार, ब्याज, पैकिंग, अंतर्देशीय माल भाड़ा, उठाई-भराई और करों मद्दे, जैसा कि दावा किया गया है, समायोजन की अनुमति, सत्यापन के अधीन रहते हुए, प्राथमिक अवधारण के प्रयोजन के लिए अनुमति दी गई है। भंडारण तकनीकी सेवाओं, संवर्धनात्मक यात्रा खर्चों, उचंत शृण्ण व्ययों और विज्ञापन व्ययों मद्दे समायोजन की अनुमति नहीं दी गई है। इस प्रकार, सामान्य मूल्य, एस.बी.आर. 1502 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर पी.एम.टी. और एस.बी.आर. 1712 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर अवधारित किया जाता है।

निर्यात कीमत

निर्यात कीमत भारत को निर्यात विक्रय के भारित औसत के आधार पर है। बट्टा/कमीशन पैकिंग, अंतर्देशीय भाड़ा निरीक्षण फीस, समुद्री माल भाड़ा और समुद्री बीमा मद्दे समायोजन की, जैसा कि दावा किया गया है, सत्यापन के अधीन रहते हुए, प्राथमिक अवधारण के लिए अनुमति दी गई है। निर्यात कीमत, एस.बी.आर. 1502 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर पी.एम.टी. और एस.बी.आर. 1712 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर पी.एम.टी. अवधारित की जाती है। एंटी डम्पिंग मार्जिन एस.बी.आर. 1502 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर पी.एम.टी. परिगणित किया जाता है जो निर्यात कीमत का 11.66% है और एस.बी.आर. 1712 ग्रेड की बाबत *** यू.एस.डालर पी.एम.टी. है जो निर्यात कीमत का 5.29% है।

देश—जापान

सामान्य मूल्य

सामान्य कीमत, भारित औसत कीमत के आधार पर परिगणित की जाती है। अन्तर्देशीय माल भाड़ा, बीमा और ब्याज मद्दे समायोजन हेतु, जैसा कि दावा किया गया है, सत्यापन के अधीन रहते हुए, प्राथमिक अवधारण के लिए अनुमति दी गई है, भंडारण लागत मद्दे दावे की अनुमति नहीं दी गई है। घेरेलू आजार के लिए तैयार किए गए अतिरिक्त ग्रेड मद्दे दावा अनुमान पर अवधारित है और निर्यातकर्ता द्वारा वस्तुतः उपगत नहीं किया गया है और इसलिए इसकी अनुमति नहीं दी गई है।

निर्यात कीमत :

निर्यात कीमत भारित औसत कीमत के आधार पर परिणित की जाती है, जापानी ट्रेडिंग हाऊस, भारतीय ट्रेडिंग हाऊस, अन्तर्राष्ट्रीय भाड़ा, बीमा, समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा, व्याज और कमीशन मद्देद दावे हेतु सत्यापन के अधीन रहते हुए, प्राथमिक अवधारण के प्रयोजन के लिए अनुमति दी गई है। एंटी डम्पिंग निम्नवत् परिणित किया गया है।

ग्रेड	एंटी डम्पिंग हेतु, मार्जिन/निर्यात कीमत के प्रतिशत में
एस. 1502	17.32%
एस. 1712	7.64%
एस. 1500	3.36%

संबंधित देशों से ऐसे असहयोगी निर्यातकर्ताओं के संबंध में, जिन्होंने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है, प्राधिकारी, हर देश से सहयोगी निर्यातकर्ताओं के लिए अवधारित सर्वोच्च एंटी डम्पिंग मार्जिन पर, एंटी डम्पिंग अवधारित करता है। इस प्रकार, फैक्टरी द्वारा निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में एंटी डम्पिंग मार्जिन ताइवान के असहयोगी निर्यातकर्ता के लिए *** पी.एम.टी 6.68% है, तुर्की के ऐसे निर्यातकर्ता के लिए, *** पी.एम.टी. 28.82% है, कोरिया के ऐसे निर्यातकर्ता के लिए *** यू.एस. डालर पी.एम.टी. 11.66% है और जापान के ऐसे निर्यातकर्ता के लिए *** यू.एस. डालर पी.एम.टी. 17.32% है।

विषयाधीन देशों और निर्यातकों के बारे में डम्पिंग मार्जिन का अवधारण निम्नानुसार है :

देश	निर्यातक	ग्रेड	डम्पिंग मार्जिन निर्यात कीमत प्रतिशत के रूप में
1. यू.एस.ए.	सभी निर्यातक	सभी ग्रेड	30.55%
2. प्रांस	सभी निर्यातक	सभी ग्रेड	28.20%
3. जर्मनी	सभी निर्यातक	सभी ग्रेड	24.86%
4. ताइवान	ताइवान सिथेटिक	एस. 1502	6.68%
	रबर कारपोरेशन	एस. 1712	6.07%
	सभी निर्यातक	सभी ग्रेड	6.68%
5. तुर्की	पेट्रिन पैट्रोकिनिया	एस. 1502	28.82%
	होलिंग ए.एस.	एस. 1712	13.66%
	अन्य निर्यातक	सभी ग्रेड	28.82%
6. कोरिया	कोरिया कुम्हो	एस. 1502	10.67%
	पेट्रोकेमिकल कंपनी	एस. 1712	4.21%
	अन्य निर्यातक	सभी ग्रेड	10.67%
7. जापान	जे.एस.आर.	एस. 1502	17.32%
	कारपोरेशन	एस. 1712	7.64%
		एस. 1508	3.36%
	अन्य निर्यातक	सभी ग्रेड	17.32%

ट. क्षति :

12. उक्त नियम 11 अनुलानक-II के अन्तर्गत जब क्षति की स्थिति की पुष्टि हो जाती है तो ऐसी जांच में घरेलू उद्योग की क्षति का निर्धारण भी सम्मिलित है। जिसमें डम्पड आयात की मांगों सहित सभी संबंधित तथ्य, उनका समस्त वस्तुओं के लिए घरेलू आजार के मूल्यों पर प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयात का प्रभाव सम्मिलित है। डम्पड आयात का मूल्य पर प्रभाव देखते हुए यह आवश्यक माना जाता है कि इस बात की परीक्षा की जाए कि क्या समस्त वस्तुओं के भारत में मूल्य की तुलना में डम्पड आयात से महत्वपूर्ण मूल्य छास हुआ है या कि इस प्रकार के निर्यात से अन्यथा मूल्य पर एक महत्वपूर्ण सीमा तक प्रभाव पड़ा है या इससे ऐसी मूल्य बढ़ि पर रोक लगती है जो कि अन्यथा एक महत्वपूर्ण सीमा तक हुई होती।

उक्त नियम 11 के तहत अनुलानक-II(iii) में आगे यह प्रावधान है कि जहां किसी एक वस्तु का आयात एक से अधिक देशों से किया जा रहा हो और वहां साथ-साथ एंटी डम्पिंग जांच की जाती है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी संचयी रूप से ऐसे आयात के प्रभाव का मूल्यांकन उसी स्थिति में करेगा जबकि यह निर्धारित होता है कि प्रत्येक देश में किए गए आयात के संबंध में डम्पिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में दो प्रतिशत से अधिक हैं तथा प्रत्येक देश से किए गए आयात की मात्रा समान वस्तुओं के निर्यात का तीन प्रतिशत है अथवा जहां एक अकेले देश से किया गया आयात तीन प्रतिशत से कम है, वहां समान वस्तुओं का संचयी रूप से आयात सात प्रतिशत से अधिक तथा आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तुओं तथा घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों की दृष्टि से उचित है।

प्राधिकारी यह नोट करता है कि संबंधित देश से डिप्पिंग मार्जिन तथा आयात की मात्रा ऊपर निर्धारित सीमा से अधिक है। आयात के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन उचित है क्योंकि संबद्ध देशों के निर्यात मूल्य भारतीय बाजार में घेरलू उद्योग द्वारा प्रभावित मूल्यों से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

भारत में घेरलू उद्योग पर आयात के प्रभाव की परीक्षा करने के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमों के अनुलग्नक-II(iv) के अनुसार उद्योगों की अवस्था पर प्रभाव डालने वाले दूसरे पहलुओं जैसे कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टाक, लाभकारिता, कुल बिक्री की वसूली डिप्पिंग का महत्व तथा मार्जिन आदि पर भी विचार किया है।

(i) डम्प आयातों के प्रभाव का निर्धारण समान वस्तुओं के घेरलू उत्पादन के संबंध में नियमों के अनुलग्नक-II के पैरा (vi) के अनुसार किया जाएगा जब उपलब्ध आंकड़े उस उत्पाद की उत्पादन संक्रिया, उत्पादक विक्रिय और लाभ जैसे मापदंडों के आधार पर अलग पहचान की अनुमति देते हों। यदि उस उत्पाद की ऐसी अलग पहचान संभव न हो तो डम्प आयात के प्रभाव का निर्धारण उत्पादों के जिसमें समान उत्पाद शामिल है, अल्पमत समूह या रेंज के उत्पाद की परीक्षा द्वारा की जाएगी, जिसके लिए आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है।

(ii) यह मत व्यक्त किया गया है कि यद्यपि एस.बी.आर. के विभिन्न प्रकारों की विभिन्न विशेषताएं, उपयोग आदि हैं, फिर भी ऐसी अनेक संक्रियाएं हैं जिनमें सामान्य उपस्कर और सुविधाएं प्रयोग की जाती हैं। इस तथ्य को देखते हुए कि उत्पादन संक्रियाएं और उत्पादन समताएं भिन्न-भिन्न अनुपातों में एक दूसरे पर व्याप्त हैं, एस.बी.आर. की प्रत्येक किस्म के लिए घेरलू उद्योग की क्षति का निर्धारण करना न तो उपयुक्त होगा और न ही साध्य। अतः, प्राधिकारी का यह विचार है कि इन नियमों के अनुलग्नक-II के पैरा VI के अनुसार एस.बी.आर. की सभी किस्मों की क्षति का निर्धारण संचयी रूप से करना उपयुक्त होगा।

(क) आयात की मात्रा :

वर्षों से विषयाधीन देशों से आयात की मात्रा के रूख का विश्लेषण करने के लिए प्राधिकारी ने डी.जी.सी.आई.एस., कलकत्ता द्वारा प्रकाशित आंकड़ों का अवलोकन किया। तथापि, याचिकाकर्ता और कुछ नियातकों ने डी.जी.सी.आई.एस. द्वारा प्रकाशित आंकड़ों में कुछ तथ्यात्मक गलती बताई और कहा कि डी.जी.सी.आई.एस. के आंकड़ों का सहारा न लिया जाए। यह मत भी व्यक्त किया गया कि याचिकाकर्ता एस.बी.आर. के 1502, 1712 और 1958 ग्रेडों का उत्पादन कर रहा है जबकि डी.जी.सी.आई.एस. आंकड़ों के अनुसार आयात डाटा को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है :—

कोड

40021901	: आयल एक्स्प्रेस एस.बी.आर.
40021902	: 50 से ऊपर स्टाइरीन मात्रा सहित एस.बी.आर.
40021909	: अन्य

याचिकाकर्ता ने यह बताया है कि कोड 40021901 के अधीन आयात मुख्यतया एस.बी.आर. 1712 ग्रेड के हैं, कोड 40021902 के अधीन आयात मुख्यतया एस.बी.आर. 1958 ग्रेड के हैं और कोड 40021909 के अधीन आयात मुख्यतया एस.बी.आर. 1502 ग्रेड के हैं। प्राधिकारी ने ग्रेड अनुसार एस.बी.आर. के आंकड़ों की उपलब्धता के बारे में रबर बोर्ड से पूछताछ की। रबर बोर्ड द्वारा यह बताया गया कि वह डी.जी.सी.आई.एंड एस. द्वारा प्रकाशित “फोरेन ट्रेड स्टेटिक्स आफ इंडिया” प्रकाशन से एस.बी.आर. के ब्लैर एक्टर कर रहा है। प्रकाशन में विभिन्न ग्रेडों के अधीन एस.बी.आर. आयात के अलग-अलग ब्लैर नहीं दिए गए हैं। किसी भी आयातकर्ता/नियातकर्ता/याचिकाकर्ता ने एस.बी.आर. के ग्रेड के अनुसार आयात से संबंधित आंकड़े नहीं दिए हैं जिनका सहारा न लिया जा सके। अतः प्राधिकारी का यह विचार है कि डी.जी.सी.आई.एस. द्वारा प्रकाशित आंकड़े क्षति और अन्य पैरामीटरों का विश्लेषण करने के लिए “सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना” है।

डी.जी.सी.आई.एंड एस. द्वारा प्रकाशित सूचना के अनुसार आयातों की मात्रा इस प्रकार है :—

	94-95	95-96	पी.ओ.आई.	वार्षिक
विषयाधीन देशों से	12602	9593	17206	12145
अन्य	2572	1795	6305	4450
योग :	15174	11388	23511	16595

यह देखा गया है कि एस.बी.आर. का कुछ आयात 1994-95, 95-96 और पी.ओ.आई. में 15174 मी०ट०, 11388 मी०ट० और 23511 टन (वार्षिक के आधार पर 16595 मी०ट०) था। इस प्रकार, वर्ष 1994-95 की अपेक्षा वर्ष 95-96 में आयात में 24.94% की कमी आई और जांच अविधि के दौरान (वार्षिक आधार पर) वर्ष 95-96 की तुलना में 45.71% की वृद्धि हुई। विषयाधीन देशों से वर्ष 94-95, 95-96 और जांच अविधि में आयात की मात्रा (वार्षिक आधार पर) 12602 मी०ट० 9593 मी०ट० और 12145 टन थी। इस प्रकार विषयाधीन देशों के आयात की मात्रा कुल आयात का 83%, 34% और 73% थी। अन्य देशों से जिनमें डिप्पिंग का आरोप नहीं लगाया गया है, आयात की मात्रा जांच अविधि में (वार्षिक आधार पर) 2572 मी०ट० 1795 मी०ट० और 6305 मी०ट० थी जो कि कुल आयात का क्रमशः 17%, 16% और 27% थी। समर्त रूप से विषयाधीन देशों से आयात की मात्रा में 94-95 की तुलना में 95-96 में 23.86% की कमी आई है और वर्ष 95-96 की तुलना में जांच अविधि में (वार्षिक आधार पर) 26.60% की वृद्धि हुई है। अन्य देशों के शेयर से वर्ष 95-96 में 30.2% की कमी दर्शात होती है और वर्ष 95-96 की तुलना में जांच अविधि में (वार्षिक आधार पर) 147.91% की वृद्धि दर्शात होती है। विषयाधीन देशों से आयात की मात्रा जांच अविधि में (वार्षिक आधार पर) वर्ष 1994-95 की तुलना में 3.62% कम की और अन्य देशों से यह वर्ष 1994-95 की तुलना में 73.02% अधिक थी इस प्रकार यह देखा गया है कि :

— कुल आयात की मात्रा वर्ष 94-95 की तुलना में 95-96 में कम थी किन्तु जांच अविधि में (वार्षिक आधार पर) 95-96 की तुलना में

महत्वपूर्ण रूप से अधिक थीं।

— विषयाधीन देशों से आयात का हिस्सा कुल आयात में वर्ष 94-95 और 95-96 की तुलना में जांच अवधि में (वार्षिक आधार पर) कम था और अन्य देशों का हिस्सा कुल आयात में वर्ष 94-95 और 95-96 की तुलना में अधिक था।

— समग्र स्वरूप में, विषयाधीन देशों से जांच अवधि में (वार्षिक आधार पर) वर्ष 94-95 की तुलना में आयात में वृद्धि हुई किन्तु वर्ष 94-95 की तुलना में मामूली कमी हुई।

(ख) उत्पादन क्षमता और क्षमता उपयोग :

याचिकाकर्ता द्वारा यह कहा गया है कि घोरेलू उद्योग की कुल संस्थापन क्षमता प्रतिवर्ष 49700 मी०ट० है जिसमें से याचिकाकर्ता की संस्थापन क्षमता 41000 मी०ट० है। पिछले तीन वर्षों से याचिकाकर्ता की संस्थापन क्षमता मैं कोई वृद्धि नहीं हुई है हालांकि उन्होंने क्षमता 41000 मी०ट० से बढ़ाकर 70000 मी०ट० करने का कार्य हाथ में लिया है। याचिकाकर्ता द्वारा एस०बी०आर० को उत्पादन वर्ष 94-95 और 95-96 में तथा जांच अवधि में 29132 मी०ट०, 29139 मी०ट० और 42327 मी०ट० (वार्षिक आधार पर 29878) था। इस प्रकार यह देखा गया है कि वर्षों से उत्पादन में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ। क्षमता उपयोग वर्ष 94-95, 95-96 में और जांच अवधि में (वार्षिक आधार पर) 71.05%, 71.07% और 72.87% था।

(ग) अन्तिम स्टाक (व्हॉलोजिंग स्टाक) :

याचिकाकर्ता के पास एस०बी०आर० को अन्तिम स्टाक तारीख 31-3-95, 31-3-96, और 31-8-97 तक क्रमशः 230 मी०ट०, 1462 मी०ट० और 1348 मी०ट० था। इससे यह दर्शित होता है कि याचिकाकर्ता के बंद स्टाक में वर्ष 94-95 की तुलना में 95-96 में वृद्धि हुई है किन्तु तारीख 31-3-1996 की तुलना में 31-3-1997 तक सीमांत कमी हुई है। तारीख 31-8-1997 का स्टाक 16 दिन के उत्पादन के समतुल्य है।

(घ) नियोजन :

यह देखा गया है कि याचिकाकर्ता के पास कर्मचारियों की संख्या तारीख 31-3-1995, 31-3-1996 और 31-8-1997, को क्रमशः 1674, 1607 और 1604 थी, इसमें कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई नहीं देता।

(ङ) विक्रय मात्रा और बाजार प्रतिभागिता :

यह देखा गया है कि याचिकाकर्ता की एस०बी०आर० कारोबार की मात्रा वर्ष 94-95, 95-96 में और पी०ओ०आई० में क्रमशः 32415 मी०ट०, 28940 मी०ट० और 41906 मी०ट० (वार्षिक आधार पर 29581 मी०ट०) थी। इससे यह दर्शित होता है कि वर्ष 94-95 की तुलना में 95-96 में लगभग, 10.72% की कमी आई। वर्ष 95-96 की तुलना में जांच अवधि में (वार्षिक आधार पर) विक्रय में लगभग 2.21% वृद्धि हुई। इस प्रकार यह देखा गया है कि जबकि वर्ष 95-96 की तुलना में जांच अवधि में उत्पादन में लगभग 2.56% की वृद्धि हुई है, विक्रय में वृद्धि 2.21% की हुई है। यह भी देखा गया है कि वर्ष 94-95, 95-96 में और जांच अवधि में एस०बी०आर० की कुल मांग 48850 मी०ट०, 51920 मी०ट० और 77994 मी०ट० (वार्षिक आधार पर 55055 मी०ट०) थी। याचिकाकर्ता की प्रतिभागिता वर्ष 94-95, 95-96 में और जांच अवधि में कुल मांग का 66.35%, 55.74% और 53.73% थी। इस प्रकार कुल मांग में याचिकाकर्ता की प्रतिभागिता में वर्ष दर वर्ष कमी आ रही है।

(च) औसत वसूली लाभकारिता :

यह देखा गया है कि एस०बी०आर० के सभी ग्रेडों की कीमतें वर्ष 1995-96 की तुलना में 96-97 में कम थीं। ये कीमतें अप्रैल, 97 से अगस्त, 1997 में भी कम थीं। एस०1502 ग्रेड, एस०1712 ग्रेड और एस०1958 ग्रेड के बारे में औसत वसूली वर्ष 1995-96 में *** प्रति किंग्रा०, *** प्रति किंग्रा० और *** प्रति किंग्रा० थी जो वर्ष 1996-97 में कम होकर *** प्रति किंग्रा०, *** प्रति किंग्रा० और *** प्रति किंग्रा० हो गयी। अप्रैल, 97 से अगस्त, 97 तक एस० 1502 ग्रेड, एस० 1702 ग्रेड और एस० 1958 ग्रेड की बाबत औसत विक्री वसूली कम होकर क्रमशः *** प्रति किंग्रा०, *** प्रति किंग्रा० और *** प्रति किंग्रा० रह गयी। यह देखा गया है कि वर्ष 1995-96 की तुलना में वर्ष 1996-97 में एस०बी०आर० कार्य में लाभ कम थे। अप्रैल, 97 से अगस्त, 1997 में याचिकाकर्ता को हानि हुई। घोरेलू उद्योग की जांच अवधि के दौरान छूट देनी पड़ी।

(छ) परियोजना-विस्तार :

याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि विषयाधीन देशों से निर्यातकों द्वारा कम कीमत पर डम्पिंग किए जाने के कारण उनकी विसीय स्थिति पर भार पड़ गया है और परियोजना के व्याख्यानिकरण में और विलंब हो गया है। यह दावा किया गया है कि ये क्षमता को 41000 टी० पी० ए० से बढ़ाकर 70000 टी० पी० ए० कर रहे हैं और विस्तार के पश्चात् ये पूरे देश की मांग को पूरा करने में समर्थ हैं।

(ठ) क्षति पर निष्कर्ष :

13. पिछले पैराओं को ध्यान में रखते हुए पता चलता है कि—

(क) विषयाधीन देशों से आयात की मात्रा और कुल आयात में 95-96 की तुलना में वृद्धि हुई है। विषयाधीन देशों की तुलना में उन देशों से अधिक प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिन पर डम्पिंग का आरोप नहीं है (जांच अवधि में विषयाधीन देशों से वर्ष 94-95 की तुलना में आयात में जांच अवधि के दौरान सीमात कमी आई है)।

(ख) उत्पादन और क्षमता उपयोग वर्षों से स्थिर हैं।

(ग) तारीख 31-8-97 को बंद स्टाक से 31-3-95 की तुलना में महत्वपूर्ण वृद्धि का पता चलता है किन्तु 31-3-96 की तुलना में उसमें कमी आई है।

(घ) याचिकाकर्ता के पास कर्मचारियों की संख्या में महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रतीन नहीं होता।

(ङ) विक्रय की मात्रा में वर्ष 95-96 की तुलना में जांच अधिक के दौरान सीमांत वृद्धि हुई है। तथापि, याचिकाकर्ता की बाजार प्रतिभागिता आयात में वृद्धि के कारण वर्षों से कम हो रही है।

(च) एस०बी०आर० के सभी ग्रेडों की औसत विक्रय कीमत में वर्ष 95-96 की तुलना में जांच अधिक के दौरान कमी आई है। 1996-97 में लाभ हुआ है। याचिकाकर्ता को अप्रैल, 97 से अगस्त, 97 की अधिक के दौरान हानि हुई है।

(छ) परियोजना के वाणिज्यिकीकरण में विलम्ब हुआ है जिसमें याचिकाकर्ता की संस्थापन क्षमता 41000 टी०पी०ए० से बढ़कर 70000 टी०पी०ए० हो गई है।

विषयाधीन देशों से आयात की मात्रा में वृद्धि अधिक मात्रा में बंद स्टाक, वर्षों से याचिकाकर्ता की बाजार प्रतिभागिता में कमी, प्रति इकाई विक्री वसूली में कमी। लाभकारिता में कमी। हानि से यह दर्शित होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ड) कारणात्मक संबंध :

14. यह स्थापित करने में घरेलू उद्योगों को हुई वास्तविक क्षति विषयाधीन देशों से किए गए आयात के कारण हुई है, प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि विषयाधीन देशों से हुए आयात आवेदक के बाजार हिस्से में गिरावट का कारण रहे हैं जिससे घरेलू उत्पादन की कीमतों में छाप हुआ जिससे घरेलू उद्योग को उचित मूल्य से कम कीमत पर बिकी करनी पड़ी। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग उचित मूल्य प्राप्त करने की स्थिति में नहीं था। घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति, इस प्रकार कथित देशों से किए गए डम्पिंग आयात के कारण हुई है।

(छ) भारतीय उद्योगों का हित व अन्य मुद्दे :

15. एण्टी डम्पिंग ड्यूटीज सामान्य उस डम्पिंग को समाप्त करने के लिए लगाई जाती है जो कि घरेलू उद्योगों में वास्तविक क्षति का कारण बनती है तथा भारतीय बाजार में खुली व उचित प्रतियोगिता की स्थिति को पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से लगाई गई जाती है जो कि देश के आम हित में है।

16. यह निश्चित है कि एण्टी डम्पिंग ड्यूटीज का लगाया जाना उन उत्पादों के मूल्य को प्रभागित करेगा जो कि विषयाधीन माल से तैयार होता है तथा परिणामस्वरूप इन उत्पादकों की संबंधित प्रतियोगिता पर कुछ प्रभाव डाल सकता है, तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतियोगिता ड्यूटीज उपायों से कम नहीं होगी, विशेषतः यदि एण्टी डम्पिंग ड्यूटीज का लगाया जाना उस राशि तक सीमित कर दिया जाए जो कि घरेलू उद्योगों को होने वाली वास्तविक क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक हो। इसके विपरीत एण्टी डम्पिंग ड्यूटीज उपायों का लागू किया जाना डम्पिंग कार्यों से प्राप्त अनुचित लाभ को भी दूर करेगा। इससे घरेलू उद्योगों में आने वाली गिरावट दूर होगी तथा एस.बी.आर. का प्रयोग करने वाले उपभोक्ताओं को एस.बी.आर. के व्यापक विकल्प उपलब्ध होंगे। एण्टी डम्पिंग ड्यूटीज लगाने के उपाय किसी भी रूप में विषयाधीन देशों से होने वाले आयात को सीमित नहीं करेगे तथा इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पादन की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेंगे।

17. घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक एण्टी डम्पिंग ड्यूटीज के विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के अधिकतम विस्तार तक उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के लिए भारत में एस.बी.आर. की उचित विक्रय कीमत का सहारा लिया है।

(प्र) (लैंडिंग वैल्यू) पहुँच कीमत :

18. आयात की लैंडिंग वैल्यू का निर्धारण डम्पिंग से संबंधित उपर्युक्त पैरा में जैसा निर्धारित किया गया है, कस्टम ड्यूटीज के स्तर तथा एक प्रतिशत लैंडिंग प्रभाव व दो प्रतिशत हेंडलिंग चार्ज जोड़ते हुए एस.बी.आर. के निर्यात मूल्य के आधार पर किया जा सकता है।

(त) निष्कर्ष :

19. पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए देखा जा सकता है कि

(क) पैरा 5 में उल्लिखित जापान, ताइवान, तुकों, फ्रांस, यू.एस.ए., जर्मनी और कोरिया में उत्पादित या वहां से आयातित एस.बी.आर. भारत में सामान्य मूल्य से नीचे मूल्य पर निर्यात किया जाता है जिसके कारण डम्पिंग हुई है;

(ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

(ग) क्षति मंचवारी रूप से विषयाधीन देशों से किए गए आयात के कारण हुई है।

20. विषयाधीन देशों में उत्पादित या वहां से आयातित सभी एस. बी. आर. पर अन्तिम जांच किए जाने तक तथा अंतिम निर्धारण करने तक एण्टी डम्पिंग ड्यूटी का लगाया जाना आवश्यक माना गया है।

21. इस पर विचार किया गया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य के लिए घरेलू उद्योग के उचित विक्री मूल्य के साथ आयात के पहुँच मूल्य की तुलना की गई। जहां कहीं भी अन्तर डम्पिंग मार्जिन से कम था वहां डम्पिंग मार्जिन से

कम इयूटी लगाए जाने की सिफारिश की गई है। तदनुसार यह प्रस्ताव है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से जापान, ताइवान, तुको, यू. एस. ए., तथा कोरिया में उत्पादित या वहां से आयातित एस. बी. आर. पर जोकि सीमा शुल्क अधिनियम के सीमाशुल्क उप शीर्ष 4002.19 के अन्तर्गत आता है, अन्तिम निर्णय होने तक अस्थायी डम्पिंग इयूटी लगाई जाए।

22. यह एंटी डम्पिंग इयूटी कॉलम 6 में उल्लिखित धन राशि होगी, किन्तु यदि इस प्रकार का अंतर कॉलम 6 में उल्लिखित धन राशि से अधिक बैठता हो, तो इयूटी कॉलम 5 में उल्लिखित धन राशि तथा प्रति कि. ग्रा. आयातों की पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगी।

क्र. सं.	देश	निर्यातक	ग्रेड	राशि प्रति किलो (रु.)	राशि प्रति किलो (रु.)
1	2	3	4	5	6
1.	यू. एस. ए.	सभी निर्यातक	1700 शृंखला	48.20	3.48
			1900 शृंखला	62.16	6.77
2.	ताइवान	सभी निर्यातक	1500 शृंखला	57.33	2.21
			1900 शृंखला	56.90	2.21
3.	टुको	सभी निर्यातक	1500 शृंखला	57.50	8.26
			1900 शृंखला	60.69	8.26
4.	कोरिया	सभी निर्यातक	1500 शृंखला	54.48	3.38
			1700 शृंखला	48.20	0.98
			1900 शृंखला	55.28	3.38
5.	जापान	सभी निर्यातक	1500 शृंखला	59.82	3.71
			1700 शृंखला	48.20	0.92
			1900 शृंखला	61.78	5.20

23. इस प्रयोजन के लिए आयात की लैंडिड वैल्यू सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा अवधारित निर्धार्य मूल्य होगी और सीमाशुल्क टैरिक अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ज, 9 और 9क के अधीन उद्ग्रहीत शुल्कों के सिवाय सभी सीमाशुल्क लागू होंगे।

थ. आगे की कार्यप्रणाली

23.24. प्रारंभिक अधिसूचना किए जाने के पश्चात् निम्नलिखित कार्यप्रणाली अपनाई जाएगी :

- (क) प्राधिकारी इन निष्कर्षों पर सभी इच्छुक पार्टियों से टिप्पण आमंत्रित करता है जो कि अंतिम निर्णय के लिए विचार में लाए जाएंगे।
- (ख) निर्यातक, आयातक, यांत्रिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को प्राधिकारी द्वारा अलग से संबोधित किया जा रहा है जो कि इस अधिसूचना के जारी होने के 40 दिन के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। अन्य कोई इच्छुक पक्ष भी इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिन के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं।
- (ग) प्राधिकारी द्वारा अंतिम निर्णय की घोषणा से पूर्व आवश्यक तथ्य भी प्रकट किए जाएंगे।

रति विनय जा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE
(Directorate General of Anti Dumping and Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st January, 1999

PRELIMINARY FINDINGS

Subject : Anti-Dumping investigation concerning imports of Styrene Butadiene Rubber (SBR) from Japan, Korea, Turkey, Taiwan, USA, Germany and France.

30/1/97-ADD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

i. The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from Synthetics and Chemicals Ltd., Oriental House, 7, J Tata Road, Churchgate, Bombay-400020 (also referred to SCI hereinafter) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Styrene Butadiene Rubber (SBR) (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from Japan, Korea, Turkey, Taiwan, USA, Germany and France.

ii. Preliminary scrutiny of the application filed by petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented.

iii. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigation against imports of SBR from Japan, Korea, Turkey, Taiwan, USA, Germany and France. The Authority notified the Embassy of Japan, Korea, Turkey, Taiwan, USA, Germany and France about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule 5(5) of the Rule.

iv. The Authority issued a public noticed dated 7th April, 1998 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of SBR classified under custom code 4002.19 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Japan, Korea, Turkey, Taiwan, USA, Germany and France (hereinafter also referred to as the subject countries).

v. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2):

vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of SBR in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter;

vii. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of SBR made in India during the past three year, including the period of investigation.

viii. The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject countries in accordance with rules 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested;

ix. The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters, in accordance with the rule 6(4):

a) JAPAN

- Asahi Chemical Industry Co,
- Japan Elastomer Co. Ltd.
- Japan Synthetic Rubber Co.
- Mitsubishi Kasei Corporation
- Nippon Zeon Co. Ltd,
- Sumitomo Chemical Co.

b) **KOREA**

- Korea Kumho Petrochemical

c) **TAIWAN**

- Taiwan Synthetic Rubber Corp.

d) **FRANCE**

- Bayer AG

- Goodyear Chemical Europe

- Michelin Cie

- Shell Chimie SA

e) **GERMANY**

- Kombinal VEB Chemische Work

f) **TURKEY**

- Petkim Petrokimya AS

g) **USA**

- Ameripol Synpol Corp.

- DSM Copolymers Inc.

- Firestone Synthetic Rubber & Ltx Co.

- General Tire Inc.

- Goodyear Tire and Rubber Co.

A number of parties requested for extension of time, which was allowed by the Authority by two weeks.

The following exporters responded:

(a) **Japan**

- Mitsubishi Chemical
- JSR Corpn
- JTC Corpn
- Mitsui & Co.
- Fuji Chemical Development Co.

(b) **Korea**

- Korea Kumho Petrochemical Co. Ltd.

(c) **Taiwan**

- Taiwan Synthetic Rubber Corpn.

(d) **France**

- Michelin
- Bayer

(e) **Germany**

- Buna Sow Leuna Olefinverbund Gmbh (BSL) Germany

(f) **Turkey**

- Petkim Petrokimya Holdings

(g) **USA**

- The Goodyear Tire and Rubber Co.
- Ameripol Synpol Corpn.

x. The Embassy of the subject countries in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, alongwith a list of known exporters/producers.

xi. A questionnaire was sent to the following known importers of SBR calling for necessary information in accordance with rule 6(4):

- Apollo Tyre Ltd, Kochi
- Modistone Ltd. New Delhi
- Birla Tyres Ltd., Calcutta
- Ceat Ltd., Mumbai
- Govind Rubber Ltd., Alwar
- J K Industries Ltd., New Delhi
- Modi Rubber Ltd., New Delhi
- MRF Ltd., Madras

A number of parties requested for extension of time, which was allowed by the Authority by two weeks. Response to the questionnaire was filed by the following;

- Automotive Tyre Manufacture Association, New Delhi (ATMA).
- All India Rubber Industries Association, New Delhi
- Vimsons Rubber (P) Ltd., Kerala
- South Asia Tyres Ltd., Aurangabad
- Thejo Engineering Services (P) Ltd., Madras
- NARCO Ltd, Thane
- Birla Tyres, Calcutta
- MRF Ltd., Chennai
- Ceat Ltd, Mumbai
- Rishiroop Polymers (P) Ltd., Mumbai

- Apollo Tyres Ltd., New Delhi
- Dow Chemical International Ltd., Mumbai
- J K Industries Ltd., New Delhi
- Vamshi Rubber Ltd., Hyderabad
- Chemical & Allied Products Exports Promotion Council, Calcutta
- All India Federation of Rubber Footwear Manufacturers.
- Kanara Small Industries Association, Mangalore

xii. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also furnished;

xiii. The Authority conducted on-the-spot investigation at the premises of petitioner to the extent considered necessary;

xiv. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;

xv. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioners also as to ascertain if anti-dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.

xvi. **** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

xvii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April 1996 to 31st August 1997.

xviii. The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 10th November 1998. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any.

B. Petitioner's Views

2. The petitioner has raised the following major issues in their petition and subsequent submissions.

(a) Voluminous imports of SBR, which is showing an upward trend, are entering into India at a low price. Exporters/producers from the subject countries are dumping SBR into India at a price lower than their normal value. Inspite of increase in cost, these exporters have reduced their prices. Due to this, it is claimed that petitioner is forced to reduce their prices besides providing heavy discounts and enhanced credit facilities. It is further stated all these factors are causing heavy losses to petitioner and they are not able to recover even the cash cost. Inspite of reduction in price, their market share has gone down by 11%.

(b) It is claimed that petitioner is suffering injury on account of the fact that their production as well as capacity utilisation has affected adversely, stocks of SBR has increased and man power is reduced by more than 5%. The petitioner has also claimed threat of material injury, if dumped imports are not checked. Probability of further steep increase in imports and permanent injury to the domestic industry can not be ruled out. Dumped imports have retarded the growth of SBR industry and expansion. Financial constraint due to dumping has delayed the commencement of the projects.

(c) International Institute of Synthetic Rubber Producers adopts the following numbering system for various grades of styrene-butadiene rubber produced by emulsion polymerization system:

1000 series	-	Hot non-pigmented rubbers
1500 series	-	Cold non-pigmented rubbers
1600 series	-	cold back masterbatch with 14 or less parts oil per 100 parts SBR
1700 series	-	cold oil masterbatch
1800 series	-	cold oil black masterbatch with more than 14 parts oil per 100 parts SBR
1900 series	-	Emulsion Resin Rubber Masterbatch

In each of the above series various grades of SBR are characterised by level of copolymer (%styrene), emulsifier type, nominal Mooney Viscosity, Coagulation, specific gravity and product stain. Thus each grade of SBR differs from the other due to variation in one or more of these parameters. However, under each series the basic polymerisation technology remains the same and as such, the basic physical nature of the rubber also remains the same. In view of this various grades of SBR under each series barring few specific grades meant for specialized applications are interchangeable and can be substituted with each other in most of the applications by making suitable modifications

in the compounding recipe. In this connection, a careful look of the various tables given in the Synthetic Rubber Manual corroborates this fact. For example, various related polymers listed under Table 3-2 under 1500 grade has varying parameters such as emulsifier type, nominal Mooney Viscosity, coagulation system etc.

Further the interchangeability of various grades of SBR is possible even between grades falling under two different series. For example, 1712 grade of SBR can be substituted with 1500 grade and many other grades of rubber falling under 1500 & 1700 series even in Tyre tread application. Similarly, 1502 grade of SBR can be substituted with 1500 grade and many other grades of rubber falling under 1500 and 1700 series in various applications.

(d) Synthetic rubber has been meeting the increasing demand arising due to gap between demand and supply of natural rubber. Since the rubber plantation area is limited, the natural rubber is being supplemented by synthetic rubber consistently. SBR is a type of synthetic rubber and is produced in different grades keeping in view the specific needs of customers.

(e) The petitioner has expressed their opinion that there may not be any major difference in the manufacturing process of SBR being produced by them and produced by other Indian producers or foreign producers who are dumping goods to India.

(f) The petitioner has claimed the normal value on the basis of inquiries made by them from the Embassy of India in the case of Japan, Turkey and Korea. In the case of Germany and France, it is claimed on the basis of quotation from Spain. In the case of USA and China Taipei, it is arrived at on the basis of export to third country. The petitioner has claimed export price on the basis of DGCIS statistics. While arriving at export price to India, they have shown adjustment on account of ocean freight, insurance, dealer's commission and terms of sales.

(g) EU is a trade/customs union and there is free movement of commodities among its member nation. EU countries are collectively invoking anti-dumping action under the WTO rules. Therefore anti-dumping action should be taken against all the member countries of EU for dumping in India. Else, on the event of anti-dumping measures on a particular nation of EU, it is very likely that the material shall be dumped through other member nations of EU. This is apprehended more so because some of the multi-national manufactures have their plants spread over different EU countries.

(h) Production Process as well as the production capacities overlap in producing different grades of SBR. The petitioner has claimed injury to domestic industry due to dumping for the SBR, which includes S 1502, S1712 and S1958. Wherever necessary/feasible, separate information on the specific grades are provided.

(i) The petitioner has requested to assess injury cumulatively from all the countries found dumping the product. The impact of dumping started more severe from January 1997 onward.

(j) The petitioner has claimed that the injury suffered by them is due to dumping and thus causal link between dumping and injury is established.

C3. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

1. Importer view

(a) There is a severe recession and inflation in the industry, which caused crisis particularly in the rubber industry, which cannot sustain burden of any unjustified anti-dumping duty.

(b) The supply from the petitioner (SCI) is irregular and quality is not satisfactory. They are not in a position to cater the full requirements of their consumers. They are misusing the monopoly in the manufacturing by exploiting the consumers. The import of SBR is under compulsion, otherwise due to non-availability of SBR, the consumer units are to be closed.

(c) The petitioner is having erratic supplies and frequent price increases. The petitioner shut down their plant without prior intimation to end user which results in their severe production loss.

(d) The quality of product of the petitioner is slightly inferior, compared to the imported products, landed cost of which is cheaper than that of indigenous product from petitioner. The dislocation in their production operation is another factor contributing not to rely on this source. The imposition of anti-dumping duty will not only make import of SBR more costly and to a certain extent prohibitive, but also paralyse the industry for want of quality product in the required volumes to meet the projected demand from the rubber based industry. The claim of the petitioner that they have sufficient capacity to cater to the complete requirement both in quality and quantity to the consumers is contrary to the fact. Anti dumping on SBR should never be imposed in the interest of rubber based industry.

(e) Tyre companies are forced to depend more and more on imports largely on account of petitioner's mismanagement in vendor relations. Many of the tyre companies had resorted to imports due to erratic supplies, not adhering to delivery schedules, frequent quality complaints and price increases unrelated to cost increases. Even those companies, which still lift large qualities of SBR from petitioner, are unhappy with their dealings with them.

(f) Increase in imports cannot be looked at in isolation but has to be examined in relations to growth in exports. Some tyre companies have increased their level of exports significantly and, therefore, when increase in imports are commented upon, imports, "net of duty free imports against advance licenses" must be examined.

(g) The petitioner has themselves admitted in their published accounts that their performance is affected by raw material constraint due to congestion at Kandla Port, credit squeeze imposed by banking system and delayed payment by customers. In spite of this, their sales were higher and, therefore, there does not seem to be any impact of imports of SBR on petitioner. Commencing from December 1997, the petitioner has already announced four price increases.

(h) Radialisation of passenger tyres has resulted in a fairly large shift from SBR to Natural Rubber (NR). Also the increase in imports is due to that new generation vehicle manufacturers require "solution based" SBR tyre whereas the petitioner is manufacturing SBR based on 'emulsion based' technology.

(i) The petitioner has not been operating efficiently and has not made efforts to improve their internal and external performance. In an environment where the tyre industry is exposed to international competition, if inefficiency on part of raw material supplier get passed on to it as costs, it will indeed be a sad commentary on the future prospects of tyre industry. If anti-dumping duty is imposed, it will contribute in raising the local price further by petitioner and this will be a convenient way of passing on their systems/operational inefficiencies to the user industry.

(j) The petitioner is offering much lower credit as compared to credit given by international vendors. The tyre industry is in serious liquidity crisis, and the request for longer credit has not got any favourable response from petitioner.

(k) For a manufacturer from South East Asia, the fall in currency value in relation to US dollar has been unprecedented. The effect of this fall was that to get the same domestic currency realisation from exports of this product as from a domestic sale, the exporter needed to quote a dollar price that reflected the percentage depreciation of his currency. This did not reflect an "intent to dump" which would have been an unfair practice. There must be a "normalisation" process of comparing domestic price and export price from that country for establishing dumping. If so, the margin will then be seen to be lower than de minimus.

(l) There is no causal link between the import and the alleged erosion to petitioner's health. The petitioner had raised an application for imposing anti-dumping duty in 1993 even when the duty levels were high and it was summarily rejected by the Govt. The current application is raised on similar flimsy grounds.

(m) Certain relevant data/inputs have been withheld by the petitioner or marked as confidential and have not been disclosed. Thus the proceedings are not transparent. Petition is defective to this extent and the same may be dismissed forthwith.

(n) The pattern of consumption NR: SR: RECLAIM in India is 73:18:9 as compared to 35:65:0 in Western world. The reason for this consumption pattern in high prices of SBR over NR in India.

(o) The petition first started manufacture of SBR with a second hand plant imported from USA in 1963. Such plant has lost past its prime. In every sense it has outlined its utility. The present expansion is a replacement of old plant.

(p) The main types of SBR are as specific, not "like articles" and not interchangeable. These are

- I) Emulsion Polymerised SBR (ESBR)
- II) Hot Emulsified
- III) Cold Emulsified
- IV) Solution SBR
- V) Thermo Plastic SBR

It is pointed out that all the above types are covered in customs heading 4002.19. Amongst the four different types, India produces only 2nd types. The 2nd type can be further classified into the following grades:—

- I) Oil extended grades: 1712, 1778
- II) Pure SBR: Grades 1500, 1502
- III) High styrene SBR: Grades 1958 with styrene contents upto 50%.

Thus in view of above, it is stated, that SBR is a general term and covers a very wide spectrum of polymers most of which are neither manufactured by petitioner nor they have the capacity to do so. The inquiry is initiated for a general family of polymers known as SBR having various grades and types most of them not being manufactured by petitioner nor they have the capability or capacity to manufacture.

(q) The petitioner has admitted that their plant is a multipurpose plant capable of producing SBR, NBR etc. Even after such enlightened realisation and also having the necessary technology to produce NBR, the petitioner did not initiate steps to produce NBR, which would give better realisation, attracts anti-dumping duty and for which India is facing a shortfall.

(r) The claim of the petitioner that they are capable of producing total requirement of SBR in India is far from the truth. It is claimed that the production of petitioner alongwith other producers have been much lower than the required consumption. It is further stated that though the consumption of SBR has shown a steady growth, the petitioner production has stagnated from 1988. Thus on the one hand, the petitioner is not capable of producing the requirements of industry and on the other hand they want to block the necessary import of deficit quantity as well even in the liberalised trade regime.

(s) In the petition, the alleged importer of dumped imports, are eight tyre companies. This implies that the entire non-tyre sector remains outside the ambit of anti-dumping investigation. The anti-dumping investigation shows each grade/commodity under investigation and the matter can not be generalised.

(t) The imports in 96-97 as compared to 95-96 have increased but as compared to 94-95 it has gone down. In 95-96, there was a worldwide shortage of SBR.

(u) The rupee dollar conversion during 1996-97 was US\$ 1=Rs.35.50 which now stands at US\$ 1=Rs.42.76. Hence rupee has depreciated by Rs.7.26 per dollar which is 20.4%. Therefore, the value of imports has gone up by over 20% which is more than or substantially offset the incidence of injury in terms of loss of Rs.5 to Rs.20/- as stated by petitioner. Hence there is no injury to the petitioner.

(v) The onus of evidence of normal price in the exporting countries has not been satisfied by the petitioner and no proper procedure followed. The normal prices submitted are unsubstantiative, unauthentic and irrelevant.

(w) The causal link between injury and dumping is not properly established by the petitioner. The alleged case of injury can not be perceived to have been caused by imports.

(x) It is claimed that import price of SBR has been increased substantially at present due to changes in rate of duty and exchange rate. The landed price of imports have gone up by about 33% in June 98 as compared to May 97.

(y) The single factor for reduction in the international price of SBR is the reduction in the prices of raw material for SBR, which are styrene and butadiene. The petitioner has not passed the benefit of reduction in cost of input to consumers and the petitioner had earned profit.

(z) It is stated that no causal link between the alleged dumped imports and injury as the company has attributed reasons to other factors in their published accounts of 1995-96 and 1996-97. Also there is no injury due to the followings :

- The production of domestic industry has increased
- sales have increased
- capacity utilisation has increased
- there is a total loss of 7% market share by the petitioner out of which 5% is taken by other than dumped imports and 2% loss of market share due to alleged dumping cannot be considered material.

II. Exporter's View

(a) The Designated Authority has no jurisdiction in the matter as the condition of serious injury to domestic industry is missing. There is no causal relationship between the dumped goods and injury, which is a pre-requisite for imposing anti-dumping duty. Lack of profitability to petitioner is due to uneconomic size and certain managerial deficiencies. By imposing anti-dumping duties, no public interest will be served. Levy of anti-dumping duty would be contrary to the provisions of MRTP Act 1969 as it would tantamount to encouraging monopolist who would then exploit his dominant position.

(b) Levy of anti-dumping duty will be against the interest of tyre industry, which employ more than 7.5 lacs people with an annual sales turnover of US\$ 2250 million. The total exports are 30% of annual turnover. As against this the petitioner is employing not more than 300 persons in business and export sales is virtually zero.

(c) SBR is having various grades. Some of the grades fall under custom tariff entry no. 4002.19 and some other fall under custom tariff entry no. 3903.90 which are co-polymers of styrene and butadiene but are neither 'like articles' to the grades of SBR produced by the petitioner nor are such type of co-polymers of styrene and butadiene produced by the petitioner in India. There are some types of SBR, which are not capable of being produced in the same plant such as that of petitioner and any or all of them are not substitutable with one another for the end use. It would therefore, be incorrect and vague to undertake to conduct an investigation against a class of product from one domestic source with another class of product from international source wherein the products grouped together may have different physical forms or technical characteristics and which are used in entirely different end use applications. It is the duty of Authority to identify the article liable for anti-dumping duty which has not been carried out since the term SBR is a broad generic term and it represents a class of products or articles.

(d) ESBR grades of 1502, 1712 and HSRgrade 1958 are neither like articles nor interchangeable. It is contended that investigation for anti-dumping has been initiated for a wide class of articles rather than a singular product or articles and as such no clear and proper comparison of statistical data can be done to evaluate whether there is any increased quantity of import necessitating any action for imposition of anti-dumping measures.

(e) Investigation does not cover several countries which individually accounts for more than 3% of imports or if individually accounts for less than 3% collectively accounts for more than 7% and thus it is discriminatory. The Authority should act in non-discriminatory manner and also investigate import from countries such as Belgium, Brazil, Italy, Switzerland etc.

(f) The current rules framed for the investigation are unlawful and liable to be struck down. The exporter has objected to the proceedings conducted without full transparency.

(g) There is another producer of solution type of co-polymers of styrene and butadiene commonly known as SBS type of synthetic rubber and falls under custom tariff heading 4002.19. This producer has not been named in the petition.

(h) Since the petitioner's facility and that of Gujarat Apar Polymers Ltd. is a multipurpose plant, the combined output of all grades of ESBR, NBR and SBR lattices should be considered if at all, for the purpose of combined investigation of the anti-dumping measures for SBR and NBR. If the investigation pertaining to a class of unlike articles or elastomers is proceeded, then it is appropriate to club the production of SBR latexes of M/s Aptotex Latices Ltd. (APL) and that of Thermoplastic rubbers by M/s ATV Projects Ltd. since the import statistical data is mixed up for these type of co-polymers of styrene and butadiene and since the existing production facility of the petitioner was and can also be utilised for the production of NBR grades for which anti-dumping duty protection has already been given by the Govt.

(i) The petitioner is charging different rates for different grades. In order to undertake an objective analysis of the petition, the Authority must have grade wise data of production, sales, raw material consumption, cost of production, import volume and price and type of SBR, which is not possible in the present case.

(j) Korean exporter has represented that there is no basis whatsoever produced by the petitioner to consider export price to Mexico of unknown type of grades of SBR as the normal value for Korea RP for all grades of SBR.

(k) The Petitioner has not submitted the data on normal value from all countries correctly. There is no consistent trend in prices. In respect of adjustments in normal value and export price, no evidence has been submitted. At some places, the price of SBR 1712 has been shown higher as compared to SBR 1502, which is not possible. It is stated that data presented by petitioner is fabricated and misleading and, therefore, should not be relied upon.

(l) It is evident that there is no injury caused to the petitioner by the import of SBR during the POI if volume effect and price effect is taken into account. The import data of DGCI&S should not be relied upon, as they are inaccurate and unreliable. The reliable data can be procured from Rubber Board.

(m) The petitioner has not suffered injury as

- The volume of import has not increased.
- There is no decline in production if all grades of ESBR are combined and data are corrected though there is a decline in the production of SBR grade 1502 and 1712.
- There is a gap in the demand and supply position and petitioner has failed to meet the demand since long time.
- The market share of petitioner has been stable between 56-61% over the years.
- The increase in imports if any is due to increase in exports which necessitates the imports under advance licensing scheme.
- Fiscal year 1995-96 should not be considered to assess injury in Period of investigation, as this year was an abnormal year in SBR case.
- The landed prices of imports are higher as compared to the domestic prices charged by the petitioner.
- There is no evidence of price undercutting or suppression. Price changes if any is due to lower price of raw material i.e. styrene and Butadiene.
- The inventory represents equivalent to 15 days production, which is normal.
- Though the production capacity of petitioner is 41000 tonnes p.a. they have never achieved this in last 5-6 years even when the SBR demand was on peak. The petitioner can not produce SBR equal to its installed capacity, as the plant is old and obsolete.

- Reduction of work force by 5% is normal.
- The reason for delay in expansion of project is not dumping.
- There is no threat of injury.

(n) The petitioner is losing its share in domestic market to other producers of SBR who are operating smaller capacity plants more efficiently and profitability.

(o) There are certain other factors which are causing injury to petitioner these are:

- Improper location of plant site at Bareilly, which is far from the source of raw material.
- Long time taken to complete the expansion project of ESBR.
- Improper arrangement for procurement of raw material and inventory management as evident from their published accounts.
- Unexplained delay in the commencement of production of NBR.
- there is a reduced profitability, but the SBR business continues to earn profit.

In view of above, there is no causal link between dumping and injury if any.

Some of the submissions of importers and exporters overlap and hence not repeated for the sake of brevity.

(D) EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

4. The submissions made by exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined and considered and have been dealt at appropriate places in these findings.

(E) PRODUCT UNDER CONSIDERATION

5. The product involved in the present investigation is Styrene Butadiene Rubber (SBR) originating in or exported from the said countries classified under custom sub-heading 4002.19 of the customs Tariff Act. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation. SBR is a type of synthetic rubber. SBR is one of the major elastomers and is mixed with natural rubber for manufacture of Auto tyres and tubes, bicycle tyres and tubes, footwear, belts and hoses etc. Styrene and butadiene are the main raw material to manufacture SBR.

Some variation/type of SBR exists depending upon the extent of Styrene content and the other physical/chemical properties. Content of Styrene in SBR may vary depending upon the application for which it is used. SBR Polymers may be hot type (have code in 1000 series), cold type SBR (have code in 1500 series), cold type oil extended SBR (have code in 1700series) and high Styrene resin master batches (have code in 1900 series) etc. It is claimed by petitioner that they are manufacturing and marketing SBR grades S 1502, S 1712 and S 1958 and these grades are mostly being imported. It is further claimed that these grades have specific application but these are produced with common equipment, facilities and production process.

It is brought to the notice of Authority that there are various type of SBR. Some types of SBR fall under custom Tariff No. 3903.90 and there are certain types of solution polymerised SBR termed as SSBR which fall under custom Tariff Heading No. 4002.19. There are some emulsion polymerised SBR which are graded in 1000 series, 1500 series, 1700 series and 1900 series.

The Authority observes that items falling under 3903.90 are not the product under consideration and SBR in 1000 series is not produced by petitioner and thus are not product under consideration.

The petitioner is producing SBR grade 1502, 1712 and 1958. Though there are different grade in 1500, 1700 and 1900 series, they can be produced in the same plant and process of manufacturing is same. The Authority therefore, hold that product under consideration is SBR of 1500 series, 1700 series and 1900 series under customs sub heading 4002.19 of the customs Tariff Act. .

(F) LIKE ARTICLES

Petitioner has claimed that products being imported and produced by domestic industry are of similar quality and all tyre companies and other major non-tyre companies who have foreign technical collaboration have their name in their approved list of supplier s of SBR. It is further claimed that in view of this fact and the fact that the same end users of SBR are using petitioner's product and imported product interchangeably, the product being imported and produced by the domestic industry are similar and thus like products under the anti-dumping rules. It is observed by the Authority that all SBR are co-polymers of Styrene and Butadiene and serve the same general purpose though the same have different specific application. The Authority finds that the manufacturing process, equipment and other facilities needed for producing different grades of SBR are common and does not involve any special equipment to produce different grade of SBR. The various grades merely depict the level of co-polymers and other parameters. The Authority observe that the each type/grade of SBR produced by the domestic industry has characteristics closely resembling to each respective type/grade of SBR imported from the subject countries and these are technically and commercially substitutable and, therefore, are like Articles within the said rules. For instance, S 1502 produced by

domestic industry has characteristics closely resembling to S 1502 imported from subject countries and therefore is a like article.

(G) DOMESTIC INDUSTRY

7. The petitioner has been filed by M/s Synthetic and Chemicals Ltd. Oriental House, 7 J, Tata Road, Churchgate, Mumbai-400020. M/s Apar, M/s Gujarat Apar and M/s Apcotex Lattices are stated to be other producer of SBR. According to the statistics published by "Rubber Statistical news" of Rubber Board, India, the total production of SBR during the POI was 56980 MT. The petitioner produced 43861 tonnes of all grades of SBR. Thus the petitioner accounts for more than 25% of domestic production of SBR and therefore, has a standing to file a petition on behalf of domestic industry under the rules.

H. DUMPING

8. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

9. The Authority sent questionnaire to the exporters from the subject countries in terms of the section cited above. The claims made by exporters with regard to normal value and export price are as under.

1.10 CLAIMS OF EXPORTERS

Country USA

Exporter - Ameripol Synpol Corpn (ASC)

They have claimed that there is no basis for including ASC in dumping allegation due to the reasons that the product they export to India are unavailable locally. The numbers of grades manufactured in India are limited and it is further claimed that they are the sole producer in the world for one of the grades sold into India. It is further claimed that there is no big difference between export price to India, their domestic price and price of export to third countries. The sales volumes of India have been quite steady for years and the volumes on a percentage of total imports, into India are minuscule. It is further claimed that on these accounts they should be excluded from the dumping allegations. They have stated that no incentive is offered by Govt. of USA to them on export to India.

It is further claimed that during the POI they exported SBR grade 8401 and plant cleans up (PCU). Grade 8401 is a special grade and they are only producer in the world of this material. 8401 is a special TRAXOL(R) oil extended (37.5 phr), SBR polymer in the 39.5% bound styrene. It features high damping characteristics and low air permeability. It finds application in tire liners, tire treads, automotive mounts, racing tires and heaving extended good where it provides improved noise damping plus better traction and faster stopping than conventional SBR. PCU is a term used to denote plant cleans up which is comprised of scraps of all kind of SBR grades collected from equipment cleans up floor sweeping etc. and it is not even an off specification of SBR material.

The exporter has submitted the information in respect of grade 8401 and PCU in relation to domestic price and export price to India. It is claimed that export price were either FOB factory or FOB ports of Houston. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight when prices were quoted FOB port. In respect of domestic sales, it is claimed that list price are ex-works. They have claimed adjustment on account of discount/commission. Thus no dumping margin has been claimed in respect of above grades. No costing information submitted.

Exporter - The Good Year Tire & Rubber company

It is claimed by the exporter that after reviewing their records and discussion with the sales and marketing people, they have not participated actively in the Indian market for

SBR during the relevant period of inquiry. Instead they had made a series of transfer to Goodyear's affiliated company in India, when the petitioner failed to meet certain supply commitments made to Goodyear India. It is also claimed that they have not sold any SBR to any other customer in India during the relevant period nor have any plans to do so.

They have not submitted any other information.

Country France

Exporter - Bayer

It is claimed that they structure their business into sales to dealers in Europe and India and to end users in Europe. This price structure is very similar for dealers in both India and Europe. A system of rebates exist within Europe especially for large quantity contracts which is equivalent to effective price reduction of between 3% to 7%. This system does not exist for them to India, as it is large quantity net prices. It is further claimed that they sold SBR to India at prices equivalent to European price during the period of investigation. They have submitted information in respect of Krylene HS 260 grade. It is stated that selling prices are negotiated case by case. No list prices exist for they serve no useful purpose in highly competitive market.

They have claimed adjustments on account of Inland freight, handling, overseas freight, overseas insurance while calculating export price to India. The ex-factory price claimed for export is *** US\$ per kg.

They have claimed price adjustment on account of Inland freight in their domestic sales. They have not submitted the data on domestic sales at ex-factory level. They have also not submitted average domestic price and cost data. It is stated that raw material cost and direct labour cost are identical for all product sold. Overhead costs are allocated equally on all the production volume of krylene HS 260. It is also claimed that they do not benefit from subsidies by regional or national govt. or authorities.

ii) Exporter - Michelin, France

It is claimed by the exporter that they had not exported SBR into India and, therefore, zero anti-dumping be levied. It is further stated that if they receive any orders for supply of SBR to India in future, they reserve their right to make a request for a new shipper review.

Country- Germany

Exporter - Buna Sow Leuna Olefinverbund Gmbh (BSL) Germany through Dow Chemicals International Ltd., Mumbai.

It is claimed that the name of the company is changed from Kombinat VEB Chemische Wurke Bune to Buna Sow Leuna Olefinverbund GmbH. It is claimed that during the period of investigation, they exported one consignment to India of *** MT in July, 1997. This consignment is negligible in view of total consumption of SBR in India. Further this was the very first trial order which usually incurs additional expenses for the customer for testing. Thus they are justified in charging a price slightly below market price level in order to share these testing expenses with the customer. It is further claimed that the export price charged was higher as compared to domestic price and hence no dumping has been admitted. It is further stated that as they have exported one single consignment of small quantity, they are not desirous of submitting a detailed report on the questionnaire sent by Authority.

Country - Taiwan

Exporter- Taiwan Synthetic Rubber Corp (TSRC)

The exporter has submitted information in relation to grade 1502 and grade 1712 of SBR.

Normal value: In respect of normal value they have submitted the domestic price structure. They have claimed the price adjustment on account of commission (which is ***% average of selling price) and inland freight..

Export Price- They have claimed the price per unit on the basis of weighted average price. They have claimed the price adjustments on account of discount/commission, inland freight, handling, harbor construction fee and promotion charges, overseas freight (including shipping charges) and overseas insurance.

The dumping margin is thus claimed as under: -

Grade	margin as % of export price
SBR 1502	7.14%
SBR 1712	6.57%

Country-Turkey

Exporter _ Petkim Petrotokimya Holding AS

They have claimed that their annual production and sales has been to the extent of 14,00,000 MT and they export about 20% of their production. Their export to "the European communities" is over 50% of their export sales and till date they have not faced any investigation of anti-dumping, safeguard etc. It is further claimed that they produce SBR 1502 and SBR 1712 type and they do not produce S 1958 type. It is further stated that in no way their export threaten Indian domestic producer and they do not foresee any rise in their exports to India.

Normal value- They have claimed weighted average domestic price of US\$ *** PMT in respect of SBR 1502 and US\$ *** PMT in respect of SBR 1712 at ex-factory level. They have not claimed any adjustments in respect of domestic prices.

Export price_ They have claimed price adjustments on account of interest, commission, ocean freight and ocean insurance. The ex-factory price in respect of export to India is US# *** for SBR 1502 and SBR 1712 grades. The dumping margins are thus claimed as under :

Grade	Dumping margin as % of Export price	
SBR1502	28.82%	°
SBR 1712	13.66%	

They have claimed to earn profit on both grade of SBR during the period of investigation..

Country-Korea

M/s Korea Kumho Petrochemicals Co., Korea

They have submitted information in respect of grades 1502, 1712, 1778 and KHS 58. It is stated that in Korea, there are two SBR makers and other producer is M/s Hyundai Petrochemical Co and they are not aware of their exports to India.

Normal value- They have claimed the normal value on the basis of prices prevailing in the domestic prices which are based on weighted average. They have claimed price adjustments on account of discounts/credit interest, packing, inland freight, storage, handling, taxes, technical services, promotion travelling expenses, bad debts expenses and advertising expenses. It is claimed that domestic packing is different from export packing because it is designed to fit for robot and average circulating is 1.3

times. Regarding tax it is claimed that import duty for raw material on export sales is to be refunded whereas for domestic sales, it is to be absorbed by the company.

Export Price

They have claimed the CIF export price on the basis of weighted average during the period of investigation. They have claimed the price adjustment on account of discount/commission, packing, inland freight, inspection fee, overseas freight and overseas insurance. It is further stated that other adjustments on account of rebate in custom duty on raw material used for export production, donation, R &D work etc. are not yet ascertained and they will submit relevant data during verification.

As per the costing information, they are making profit on 1502 and 1712 grades.

The comparison of normal price and export prices shows the dumping margin as under: -

Grade	Dumping margin as % of export price
SBR 1502	9.43%
SBR 1712	2.85%

Country - Japan

Exporter Mitsubishi Chemical

They have claimed that they had not made exports to India during POI and they do not intend to initiate any export of SBR into the Indian market under the current circumstances. Thus, it is stated that they do not need recognize a necessity to respond to the questionnaire.

Exporter - SHIPPER - Fuji Chemical Development Co. Ltd.

Fuji Chemical Development Co. Ltd. has claimed that they are the Shipper of Mitsui & Co. and the data given by Mitsui & Co. will apply mutatis Mutandis to them and therefore no separate response to the questionnaire is being filed.

Exporter - Mitsui & Co.

It is claimed by them that they are one of the authorised trading houses of JSR company and Fuji Development Co. Ltd., is their shipper. It is further claimed that the CIF or CFR price offered by JSR is submitted to Mitsui from JSR. The price is calculated by JSR using the certain freight rates, commission rates etc that is given to JSR. For shipment, Mitsui shall instruct Fuji to ship JSR material on a certain vessel. Regarding normal value, they have not submitted separate data and stated that it is as per JSR rate.

Exporter - JTC Corp.

It is stated that M/s JTC Corp. Japan is an exporter of SBR bought from JSR. They have not claimed separate normal value.

JSR Corp. (formerly known as Japan Synthetic Rubber Co. Ltd.)

It is claimed by the exporter that they have exported three grades of SBR during the POI to India. These grades are S 1500, S 1712, and S 1502. It is also stated that JSR also sells within its domestic market these 3 grades of SBR, apart from other grades. The grades sold in Japan are similar to the respective grades exported to India.

Normal value

They have claimed the normal value on the basis of weighted average price. They have claimed adjustment on account of inland freight, Insurance, interest and storage while arriving at the ex-factory price. They have also claimed deduction of US\$ **** PMT on account of extra grades produced for the domestic market which results in lower production and capacity utilisation and consequently the fixed cost per unit are higher for SBR produced and sold in domestic market.

Export Price

It is claimed that no list price exists. They have claimed deduction on account of commission to Japanese trading house, Indian trading house, Inland freight, Insurance, overseas freight, overseas insurance, interest and commission while arriving at the export price to India.

The dumping margin thus claimed is as under: -

Grade	Dumping margin as % of Export price
S 1502	10.32
S 1712	No Dumping
S 1500	No Dumping

J. 11. Examination of the claims of the exporters by the Authority

As indicated earlier the Authority is considering the product under consideration as SBR 1500 series, SBR 1700 series and SBR 1900 series. The Authority also notes that the some grade may be numbered differently in various countries. Wherever the information are made available gradewise, the Authority has calculated separate dumping margin as the end uses and prices varies in different grades of SBR.

The claims of various exporters are examined as under: -

Country: USA

Exporter: Ameripol Synpol Corp (ASC)

The Authority notes that the exporter has not submitted information in respect of SBR 1500 series, SBR 1700 series and SBR 1900 series. They have submitted information in respect of SBR grade 8401 grade and PCU. No costing information has been submitted. It is not explained that whether grade 8401 and PCU are like article to SBR 1500 series, SBR 1700 series and SBR 1900 series. SBR 8401 is claimed to be different grade of SBR altogether. Since no information has been provided by the exporter in respect of product under consideration, the Authority considers the information provided by petitioner as best available information and determines the normal value and export price as claimed by the petitioner at US\$ 1286 PMT and at US\$ 985 PMT respectively. The dumping margin is calculated as US\$ 301 PMT which is 30.55% of export price.

Country: France

Exporter : Bayer

The Authorities notes that the exporter has not submitted information in respect of SBR 1500 series, SBR 1700 series and SBR 1900 series. They have submitted some information in respect of Krylene HS 260 grade. No costing information has been submitted. It is not substantiated that grade Krylene HS 260 are like article to SBR

1500 series, SBR 1700 series and SBR 1900 series. Since no information is provided by the exporter, the Authority considers the information provided by the petitioner as the best available information and determines the normal value and export price as claimed by the petitioner at US\$ 1100 PMT and at US\$ 858 PMT respectively. The dumping margin is calculated as US\$ 242 PMT which is 28.20% of export price.

Country : Germany

Exporter – BSL

The Authority notes that the exporter has not submitted information in respect of their exports to India. In view of this, the Authority considers the information provided by the Petitioner as the best available information and determines the normal value and export price as claimed by the petitioner at US\$ 1100 MT and at US\$ 881 PMT respectively. The dumping margin is calculated at US\$ 219 PMT which is 24.86% of export price.

Country- Taiwan

Exporter – Taiwan synthetic Rubber Corp.

Normal value

The Authority notes that the normal value is claimed on the basis of weighted average domestic price and adjustment on account of commission and inland freight has been claimed. The Authority determines the normal value as claimed at US\$ *** in respect of SBR 1502 and at US\$ *** in respect of SBR 1712 for the purpose of preliminary determination subject of verification.

Export Price –

The export price is on the basis of weighted average export price to India. They have claimed the adjustment on account of discount and commission, inland freight, handling, harbour construction fee and promotion charges, overseas freight (including shipping charges) and overseas insurance. These expenses as claimed except harbour construction fee & promotion charges are allowed for preliminary determination subject to verification. Harbour construction fee and promotion charges are not allowed, as its nature is not clear. The export price is thus determined at US\$ *** PMT in respect of SBR 1502 grade and are US\$ *** PMT in respect of SBR 1712 grade subject to verification. The dumping margin is calculated at US\$ *** PMT in respect of SBR 1502 grade which is 6.68 % of export price and at US\$ *** PMT in respect of SBR 1712 grade which is 6.07 % of export price.

Country – TurkeyExporter: Petkin Petrokinys holding A.S.Normal value –

The Authority notes that the normal value is on weighted average of domestic price and no adjustment is claimed. It is allowed subject to verification and is determined at US ***PMT in respect of SBR 1502 grade and at US ***PMT in respect of SBR 1712 grade.

Export Price –

The export price is calculated on the basis of weighted average of export price. The claim on account of interest, commission, ocean freight and ocean insurance are allowed for preliminary determination subject to verification. The export price is determined at US *** PMT in respect of SBR 1502 grade and at US *** in respect of SBR 1712 grade. The dumping margin is arrived at US *** PMT in respect of SBR 1502 grade which is 28.82% of export price and at US *** PMT in respect of SBR 1712 grade which is 13.66% of export price.

Country – KoreaExporter – Korea Kumho Petrochemicals Company Korea.

Normal value : The normal value is calculated on the basis of weighted average of domestic price. The Authority allows the adjustments on account of discount/credit interest, packing, inland freight, handling and taxes as claimed for the purpose of preliminary determination subject to verification. The adjustments on account of storage ,technical services, promotional travelling expenses, bad debts expenses and advertisement expenses are not allowed. Thus the normal value is determined at US *** PMT in respect of SBR 1502 grade and at US *** in respect of SBR 1712 grade.

Export Price : The export price is on the basis of weighted average of export sales to India. The adjustments as claimed on account of discount/commission, packing, inland freight, inspection fee, overseas freight and overseas insurance are allowed for the preliminary determination subject to verification. The export price is determined at US *** PMT in respect of SBR 1502 grade and at US *** PMT in respect of SBR 1712 grade. The dumping margin is calculated at US *** PMT in respect of SBR 1502 grade which is 11.66% of export price and at US ***PMT in respect of SBR 1712 grade which is 5.29 % of export price.

Country : Japan

Normal value : The normal price is calculated on the weighted average price. The adjustment on account of inland freight, insurance and interest are allowed as claimed subject to verification for preliminary determination. The claim on account of storage cost is not allowed. The claim on account of extra grade produced for the domestic market is based on estimates and is not actually incurred by the exporter and hence not allowed.

Export price

The export price is calculated on the basis of weighted average price. The claim on account of commission to Japanese Trading house, Indian Trading house, Inland freight, insurance, overseas freight, overseas insurance, interest and commission are allowed subject to verification for the purpose of preliminary determination –

The dumping margins are calculated as under: -

Grade	Dumping margin as % of export price
S 1502	17.32%
S 1712	7.64%
S 1500	3.36%

In respect of non-co-operating exporters from subject countries who has not responded to questionnaire the Authority determine the dumping margin at the highest dumping margin determined for the co-operating exporters from each country. Thus the dumping margin as percentage of ex factory export price for non-cooperating exporter from Taiwan is ***PMT 6.68 %, from Turkey is *** PMT 28.82 % from Korea is U\$ ***PMT 11.66 % and from Japan is U\$ ***PMT 17.32%.

The dumping margin in respect of subject countries & exporters are determined as under:

Country	Exporter	Grade	Dumping Margin as % of export price
1. USA	All exporter	All grade	30.55%
2. France	All exporter	All grade	28.20%
3. Germany	All exporter	All grade	24.86%
4. Taiwan	Taiwan synthetic Rubber Corpn. other exporters	S 1502 S 1712 All grade	6.68% 6.07% 6.68%
5. Turkey	Petkin Petrokinya Holding AS Other exporter	S 1502 S 1712 All grades	28.82% 13.66% 28.82%
6. Korea	Korea Kumho Petrochemical Co. Other exporters	S 1502 S 1712 All grade	11.66% 5.29% 11.66%
7. Japan	JSR Corp. Other exporters	S 1502 S 1712 S 1712 All grades	17.32% 7.64% 3.36% 17.32%

K. 12. INJURY

Under Rule 11 Supra, Annexure-II when a finding of injury is arrived at, such findings shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Annexure II (iii) under rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti dumping investigation, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation

to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject country are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the export prices from the subject country were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority may consider such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

(I) The effect of the dumped imports shall be assessed, in accordance with para (vi) of the Annexure II to the Rules, in relation to the domestic production of the like article when available data permit separate identification of that product on the basis of such criteria as the production process, producers' sales and profits. If such separate identification of that product is not possible, the effect of the dumped imports shall be assessed by the examination of the product of the narrowest group or range of products, which includes the like product, for which the necessary information can be provided.

(ii) It is observed that though the different types of SBR have different characteristics, usage etc., there are a number of processes which use common equipment and facilities. In view of the fact that the production processes as well as the production capacities overlap each other in varying proportions, it would not be appropriate nor feasible to assess the injury to the domestic industry for each individual type of SBR. The Authority therefore, in accordance with the para 6 of Annexure II to these Rules, considers it appropriate to assess the injury for all types of SBR cumulatively.

(a) Quantum of Import

To analyse the trend of quantum of import from the subject countries over the years, the Authority observed the statistics published by DGCIS, Calcutta. However, the petitioner and some of the exporters had pointed over some factual errors in the data published by DGCIS and pleaded not to rely upon the data of DGCIS. It is also observed

that the petitioner is producing 1502, 1712 and 1958 grades of SBR whereas as per DGCIS statistics the import data are classified as under :-

Code	
40021901	Oil Extended SBR
40021902	SBR with Styrene contents of over 50%
400021909	Others

The petitioner has represented that under code 40021901, the imports are mainly of SBR 1712 grade, under code no. 40021902 the imports are mainly of SBR 1958 grade and under 400021909, the imports are mainly of SBR 1502 grade. The Authority enquired from Rubber Board regarding the availability of statistics of SBR gradewise. It was stated by Rubber Board that it is collecting details of SBR from the publication 'foreign trade statistics of India' published by DGCI&S Calcutta. The publication does not contain details of break up of import of SBR under different grades. None of the importers/exporters/petitioner has submitted statistics relating to imports of SBR gradewise which can be relied upon. Therefore, the Authority considers the statistics published by DGCIS as 'best available information' to analyse the injury and other parameters.

As per the information published by DGCI&S, the quantum of imports is as under: -

	94-95	95-96	POI	Annualised
From subject countries	12602	9593	17206	12145
Others	2572	1795	6305	4450
Total	15174	11388	23511	16595

It is observed that the total imports of SBR was 15174 MT, 11388 MT and 23511 tonnes (16595 MT on annualised basis) in 1994-95, 95-96 and in POI. Thus there was a decrease of 24.94% in imports in 95-96 over 1994-95 and increase of 45.71% in POI (on annualised basis) over 95-96. The volume of imports from the subject countries was 12602 MT, 9593 mt and 12145 tonnes in 94-95, 95-96 and in POI (on annualised basis). Thus the volume of imports from subject countries was 83%, 84% and 73% in total imports. The volume of imports from other countries from which dumping is not alleged was 2572 MT, 1795 MT, and 6305 MT in POI (on annualised basis) which were 17%, 16% and 27% of total imports. In absolute terms, the quantum of imports from subject countries decreased by 23.86% in 95-96 over 94-95 and increased by 26.60% in POI (on

annualised basis) over 95-96. The share of other countries shows a decrease of 30.2% in 95-96 and shows an increase of 147.91% in POI (on annualised basis) over 95-96. The volume of imports from subject countries were lower by 3.62% in POI (on annualised basis) over 1994-95 and from other countries it was higher by 73.02% in POI over 94-95, Thus it is observed that: -

- Quantum of total imports were lower in 95-96 over 94-95, but higher in POI (on annualised basis) significantly when compared to 95-96.
- The share of imports from the subject countries were lower in total imports in POI (On annualised basis) when compared to 94-95 and 95-96 and the share of other countries in total imports were higher in POI when compared to 94-95 and 95-96.
- In absolute terms, there was increase in imports from the subject countries in POI (on annualised basis) when compared to 95-96 but there was a marginal decrease when compared to 94-95.

(b) Production capacity and capacity utilisation

It is stated by the petitioner that total installed capacity of domestic industry is 49700 MT p.a. out of which the petitioner is having an installed capacity of 41000 MT. There is no increase in the installed capacity of the petitioner over last 3 years though they have undertaken to expand the capacity from 41000 MT to 70000 MT per annum Production of SBR by the petitioner was 29132 MT, 29139 MT and 42327 MT (29878 on annualised basis) in 94-95 and 95-96 and in POI. Thus is observed that there is no significant change in production over the years. The capacity utilisation was 71.05%, 71.07% and 72.87% in 94-95, 95-96 and in POI (on annualised basis).

(c) Closing stock

The closing stock of SBR with the petitioner was 230 MT, 1462 MT and 1348 MT as on 31.3.95, 31.3.96 and 31.8.97 respectively. This shows that closing stock of the petitioner has increased in 95-96 over 94-95 but has marginally decreased as on 31.8.97 over 31.3.96. The stock as on 31.8.97 represents equivalent to 16 days production..

(d) Employment

It is observed that the number of employees with petitioner was 1674, 1607 and 1604 as on 31.3.95, 31.3.96 and on 31.8.97, which does not show any significant change.

(e) **Volume of sales and market share**

It is observed that the petitioner's volume of turnover of SBR was 32415 MT, 28940 MT and 41906 MT in 94-95, 95-96 and in POI (29581 MT on annualised basis). This shows that there was decline of about 10.72% in 95-96 over 94-95. There was an increase of about 2.21% in sales in POI (on annualised basis) over 95-96. It is thus observed that whereas production increased by about 2.56% in POI over 95-96, sales increased by 2.21%. It is also observed that the total demand of SBR was 48850 MT, 51920 MT and 77994 MT in 94-95, 95-96 and in POI (55055 MT on annualised basis). The share of petitioner in total demand was 66.35%, 55.74% and 53.73% in 94-95, 95-96 and in Period of investigation. Thus the share of the petitioner in total demand is declining over the years.

(f) **Average Realisation & Profitability**

It is observed that prices of all grades of SBR were lower in 96-97 over 1995-96. They were still lower in the period April 97 to August 1997. The average realisation in respect of S 1502 grade, S 1712 grade and S 1958 grade was Rs. *** per kg. *** per kg and *** per kg in 1995-96 which declined to Rs *** per kg, *** per kg and Rs *** per kg in 1996-97. From April 97 to August 97, the average sale realisation declined to Rs *** per kg, *** per kg and Rs. *** per kg in respect of S 1502 grade, S 1712 grade and S 1958 grade respectively. It is observed that profits were lower in SBR activity in 1996-97 as compared to 1995-96. In April 97 to August 1997, petitioner incurred loss. The domestic industry had to give discounts during period of investigation.

(g) **Expansion of Project**

The petitioner has claimed that due to dumping by the exporters from the subject countries at lower prices has put pressure on their financial position and the commercialization of the project has been further delayed. It is claimed that they are increasing the capacity from 41000 TPA to 70000 TPA and after the expansion they are capable of meeting the demand of entire country.

L Conclusion on Injury

13 In view of foregoing paragraphs it is observed that:

- a) Quantum of imports from subject countries and total imports have increased in POI as compared to 95-96. The percentage increase was more from countries not allegedly dumping as compared to subject countries. The imports have marginally decreased in POI as compared to 94-95 from subject countries.
- b) The production and capacity utilization have been stable over the years.

- c) The closing stock as on 31.8.97 shows a significant increase as compared to 31.3.95 but shows a decrease as compared to 31.3.96.
- d) The number of employees with the petitioner does not show any significant changes.
- e) The quantum of sales was marginally higher in POI as compared to 1995-96. However the market share of petitioner is declining over the years due to increase in imports.
- f) There is a decline in average selling price of all grade of SBR period of investigation as compared to 95-96 effecting profits in 1996-97. The petitioner has incurred losses in April 97 to August 97 period.
- g) There is a delay in the commercialization of project which increases the installed capacity from 41000 TPA to 70000 TPA of the petitioner.

The increase in quantum of imports from subject countries, higher closing stocks, decline in the market share of the petitioner over the years, decline in unit sales realization, decrease in profitability/incurring of losses shows that domestic industry has suffered material injury.

The Authority holds that domestic industry has suffered material injury.

M. CAUSAL LINK

14. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from subject countries, the Authority holds that increase in quantum of imports from subject countries resulted in decline in the market share of petitioner, were undercutting the prices of domestic product forcing the domestic industry to sell below its fair prices. Resultantly the domestic industry was not in a position to recover fair selling price. The material injury to the domestic industry was, therefore, caused by the dumped imports from the subject countries.

N. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

15. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

16. It is recognized that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of SBR. Imposition of antidumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore would not affect the availability of the product to the consumers.
17. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority rely upon reasonable selling price of SBR in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilization for the domestic industry.

O LANDED VALUE:

18. The landed value of imports is determined on the basis of export price of SBR, determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

P. CONCLUSIONS :

19. It is seen after considering the foregoing, that :
 - (a) SBR described under para 5 and originating in or exported from Japan, Taiwan, Turkey, France, USA, Germany & Korea has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
 - (b) The Indian industry has suffered material injury
 - (c) The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.
20. It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of SBR originating in or exported from the subject countries, pending investigations.

21. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed price of the imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on SBR originating in or exported from Japan, Taiwan, Turkey, USA, & Korea falling under Customs sub-heading 4002.19 of the Customs Tariff Act, pending final determination.

22. The anti-dumping duty shall be the amounts mentioned in column 6, provided that the duty shall be the difference between the amounts mentioned in column 5 and the landed price of imports per Kg. in case such difference is more than the amounts mentioned in column 6:

Sl. No.	Country	Exporter	Grade	Amount	Amount
				(Rs per Kg)	(Rs per Kg)
1	2	3	4	5	6
1. USA		All exporter	1700 series	48.20	3.48
			1900series	62.16	6.77
2 Taiwan		All exporter	1500series	57.33	2.21
			1900series	56.90	2.21
3 Turkey		All exporter	1500 series	57.50	8.26
			1900 series	60.69	8.26
4 Korea		All exporter	1500series	54.48	3.38
			1700series	48.20	0.98
			1900series	55.28	3.38
5 Japan		All exporter	1500 series	59.82	3.71
			1700 series	48.20	0.92
			1900 series	61.78	5.20

23. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

Q. FURTHER PROCEDURE:

24. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings :

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days of the despatch of this notification. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- (c) The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority